हरिभूमि

रायपुर भूमि

रायपुर, सोमवार 9 दिसंबर 2024

तापमान

अधिकतम 30.2 डिग्री

न्यूनतम 18.6 डिग्री

13 बाघों की आमद इतनी कि प्रबंधन संभाल नहीं पा रहा

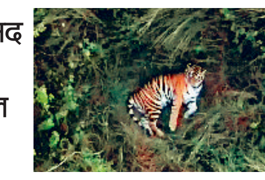

14 रोजगार सुरक्षा के लिए किया हनुमान चालीसा...

बीएड-डीएलएड पाठ्यक्रम में काउंसिलिंग, प्रवेश, सिलेबस सहित सभी प्रक्रिया तय करेगा उच्च शिक्षा विभाग

बीएड-डीएलएड अब उच्च शिक्षा विभाग के अधीन, लेकिन पर्चे लेगा माशिम! एससीईआरटी से छीना जाएगा प्रभार, कमेटी गठित

रुचि वर्मा ▶▶| रायपुर

खास खबर

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के अंतर्गत संचालित होने वाले बीएड और डीएलएड पाठ्यक्रमों को अब उच्च शिक्षा विभाग के अधीन किए जाने की तैयारी है। इसके लिए कमेटी भी गठित की जा चुकी है। अब तक बीएड और डीएलएड पाठ्यक्रमों में काउंसिलिंग, प्रवेश, सिलेबस सहित अन्य सभी चीजों का निर्धारण एससीईआरटी द्वारा किया जाता रहा है। बीएड-डीएलएड पाठ्यक्रम संबंधित सभी कार्य उच्च शिक्षा विभाग द्वारा किए जाएंगे। एससीईआरटी की भूमिका इन पाठ्यक्रमों के संचालन में पूर्णतः समाप्त हो जाएगी।

यह कमेटी अपनी रिपोर्ट में बताएगी कि वर्तमान व्यवस्था में किस तरह की खामियां हैं तथा इन्हें किस तरह से दूर किया जा सकता है। उच्च शिक्षा विभाग को बीएड-डीएलएड पाठ्यक्रम हैंडओवर किए जाने की प्रक्रिया संबंधित सुझाव भी कमेटी द्वारा दिए जाएंगे। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, शासन द्वारा गठित समिति में चार सदस्य हैं। कमेटी द्वारा उपरोक्त प्रस्ताव पर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। रिपोर्ट कुछ दिनों के अंतराल में सौंपे जाने की तैयारी है।

चार सदस्यीय टीम बताएगी वस्तुस्थिति, इसके बाद होगा अंतिम निर्णय

इसलिए फैसला

महाविद्यालयीन स्तर पर संचालित होने वाले समस्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश तथा सिलेबस सहित अन्य वस्तुओं का निर्धारण उच्च शिक्षा विभाग द्वारा किया जाता है। केवल बीएड और डीएलएड पाठ्यक्रम के संदर्भ में ही आदेश एससीईआरटी जारी करता है। विगत कई वर्षों से बीएड-डीएलएड प्रवेश प्रक्रिया में विलंब की शिकायत छात्र करते रहे हैं। नवंबर-दिसंबर तक इन पाठ्यक्रम में प्रवेश जारी रहता है। प्रवेश के दौरान तकनीकी दिक्कत, पैसे लेकर सीट प्रदान करने संबंधित शिकायत सहित कई तरह के मामले नियमित रूप से सामने आते रहे हैं। इसके बाद ही इन पाठ्यक्रमों को एससीईआरटी से छिनकर उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत करने का निर्णय लिया गया है।

परीक्षा को लेकर असमंजस

बीएड और डीएलएड पाठ्यक्रम की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी स्कूली छात्रों को पढ़ाते हैं। स्कूली पाठ्यक्रम माशिम के अधीन आता है। ऐसे में बीएड-डीएलएड के विद्यार्थी स्कूली छात्रों को पढ़ाने के योग्य हैं अथवा नहीं, इसका निर्धारण माशिम करता है। अर्थात माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा ही बीएड और डीएलएड की परीक्षाएं ली जाती हैं। नई व्यवस्था में परीक्षा किसके अधीन रहेगी, यह तय नहीं हो सका है। सूत्रों के अनुसार, इसे पूर्व की तरह माशिम के ही अधीन रखने पर विचार किया जा रहा है। हालांकि अंतिम फैसला कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर होगा।

खबर संक्षेप

दो सटोरिए गिरफ्तार

रायपुर। राजेंद्र नगर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर सट्टा संचालित करने के आरोप में दो सटोरियों को गिरफ्तार किया है। सटोरियों के कब्जे से पुलिस ने कैश 5100 रुपए जब्त किए। पुलिस के मुताबिक, सट्टा संचालित करने के आरोप में महावीर नगर निवासी पवन मंगलानी तथा तेलीबांधा निवासी गोपाल धामेचा को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी मेडिशाइन अस्पताल के पास खाली मैदान में लोगों से सट्टा लगवा रहे थे।

एसएसपी ने की नाइट गश्त की सरप्राइज चेकिंग

रायपुर। राजधानी में पुलिस नाइट गश्त ठीक ढंग से की जा रही है या नहीं। इसकी जांच के लिए एसएसपी डॉ. संतोष सिंह शनिवार देर रात सरप्राइज चेकिंग करने निकले। इस दौरान एसएसपी ने मौदहापारा, बैजनाथपारा और वीआईपी रोड पर पुलिस ने रात में क्या कार्रवाई की, इस संबंध में उपस्थित पुलिसकर्मियों से जवाब-तलब किया। जांच के दौरान गश्त पर तैनात पुलिसकर्मियों को एसएसपी ने निर्देश दिए।

शादी का झांसा देकर युवती से रेप, मारपीट

रायपुर। सिविल लाइंस थाने में एक युवती ने अपने सहकर्मी के खिलाफ शादी करने का झांसा देकर रेप तथा मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक, डोंगरगढ़ निवासी 29 वर्षीय युवती ने रमेश सिंह के खिलाफ रेप तथा मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। युवती ने पुलिस को बताया कि रमेश तथा वह एक होटल में साथ काम करते थे। इस दौरान रमेश ने युवती को शादी करने का झांसा देकर रेप किया। शादी के लिए दबाव बनाने पर रमेश ने युवती के साथ मारपीट कर शादी करने से इंकार कर दिया।

स्पंज आयरन में मिलावट, अपराध दर्ज

रायपुर। मंदिर हसौद थाने में एक कारोबारी ने एक ट्रक चालक के खिलाफ स्पंज आयरन में मिलावट कर अमानत में खयानत करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक, मीवान स्टील प्लांट के संचालक प्रवीण नामदेव ने ट्रक सीजी-13 एलए-4302 के चालक के खिलाफ अमानत में खयानत करने की शिकायत दर्ज कराई है। कारोबारी ने पुलिस को बताया कि उसने संबंधित ट्रक में महाराष्ट्र के लिए स्पंज आयरन लोड कर रवाना किया था। ट्रक चालक ने रास्ते में अच्छी क्वालिटी का स्पंज आयरन अनलोड कर निम्न क्वालिटी का स्पंज आयरन संबंधित पार्टी के यहां खाली कर अमानत में खयानत की है।

ट्रेनों में कंफर्म टिकट लेने जद्दोजहद, फ्लाइट का किराया भी बढ़ा

कुंभ जाने महीनेभर पहले फ्लाइट का किराया 15 हजार तक, पहले दिन के लिए दो ट्रेनों में 100 वेटिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

12 साल के लंबे इंतजार के बाद प्रयागराज में कुंभ का आगाज होने वाला है। इस बार यह मेला 13 जनवरी से 26 फरवरी तक लगाया जाएगा, जिसमें शामिल होने विभिन्न राज्यों से लाखों की संख्या में लोग पहुंचेंगे। इसके लिए फ्लाइट से लेकर ट्रेनों तक में बुकिंग में बड़ी तेजी आई है। माहौल को देखते हुए फ्लाइट का किराया बढ़ा दिया गया है। रायपुर से प्रयागराज के लिए फ्लाइट का किराया अभी से 15 हजार तक पहुंच गया है। ऐसे में जनवरी तक किराए में और वृद्धि हो सकती है। कुंभ मेले के दौरान विभिन्न तारीखों में प्रयागराज जाने वाली प्रमुख ट्रेनें रद्द हैं। ऐसे में कुंभ में शामिल होने यात्रियों को प्रतिदिन एक ही ट्रेन की सुविधा मिल रही है।

दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस सप्ताह में दो दिन ही चलती है। ऐसे में इस ट्रेन पर भी यात्रियों का दबाव बढ़ा है। हरिभूमि ने जब टिकट बुकिंग को लेकर पड़ताल की तो पता चला कि ▶▶|शेष पेज 13 पर

13 जनवरी से 26 फरवरी केवल दो ट्रेनों की मिलेगी सुविधा

कुंभ मेले तक बढ़ाया फ्लाइट का किराया

रायपुर से प्रयागराज जाने 13 जनवरी से 26 फरवरी तक फ्लाइट का किराया अचानक ही बढ़ा दिया गया है। प्रयागराज के लिए इंडिगो और एयर इंडिया के फ्लाइट की सुविधा है। 13 से 15 हजार तक किराया पहुंच गया है, जो सामान्य दिनों में लगभग 9 हजार तक होता है। कुंभ मेले को लेकर बुकिंग लगातार बढ़ रही है। छुट्टी के दिनों में किराया 13 हजार से अधिक हो चुका है। ट्रेन में भारी वेटिंग को देखते हुए लोग फ्लाइट से प्रयागराज जाने की योजना बना रहे हैं।

मिल सकती है स्पेशल ट्रेन की सुविधा

कुंभ को लेकर रेलवे देशभर में स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा कर रहा है। ऐसे में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के यात्रियों को भी यह सुविधा मिल सकती है। वेटिंग कम करने के लिए रेल प्रशासन अतिरिक्त कोच लगाएगा, जिससे यात्रियों को कंफर्म टिकट मिल सकेगी। पहले दिन को लेकर जिस तरह से वर्तमान में ट्रेनों में वेटिंग है, 13 जनवरी से पहले तक यह संख्या 200 से अधिक हो जाएगी। एसी में भी यात्रियों को कंफर्म टिकट मिलना मुश्किल हो गया है।

शनिवार-रविवार को ट्रेनों में अधिक वेटिंग

प्रयागराज जाने कुंभ के पहले दिन के लिए कंफर्म टिकट मिलने की संभावना शून्य हो चुकी है। इसके लिए शनिवार और रविवार को बुकिंग अधिक होने से वेटिंग बढ़ चुकी है। बरौनी एक्सप्रेस में 15 से 20 जनवरी तक यात्रियों को अभी कंफर्म सीट मिल सकती है। जबकि दुर्ग-नौतनवा में वेटिंग केवल स्लीपर में ही अभी से 60 से अधिक पहुंच गई है। पूरे कुंभ तक इस ट्रेन में भीड़ ठसाठस होने वाली है। यह ट्रेन बरौनी एक्सप्रेस से एक घंटे पहले प्रयागराज पहुंचती है। सप्ताह में दो दिन परिचालन होने से इसमें बुकिंग अधिक है।

गर्मी के साथ हुई दिसंबर की शुरुआत

दो विक्षोभ एक चक्रवात से बिना गर्म कपड़ों के गुजरे आठ दिन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सामान्य स्थिति में तेज ठंड का महीना माने जाने वाले दिसंबर के आठ दिन गर्म कपड़ों के बिना ही गुजर चुके हैं। शुरुआती दिनों में आए चक्रवात और एक पश्चिमी विक्षोभ की वजह से दिन से हुई हल्की बारिश और बादल से मौसम सर्द जरूर हुआ था। दिसंबर के पहले सप्ताह में रात का न्यूनतम तापमान सामान्य तक नहीं पहुंच पाया।

■ सामान्य स्थिति तक नहीं पहुंच पाया न्यूनतम तापमान, अभी भी पांच डिग्री तक ज्यादा

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, दिसंबर में मौसम काफी संवेदनशील होता है। इस दौरान हवा की दिशा में होने वाले हल्के बदलाव से ही मिजाज बदल जाता है।

दिन में छाए बादल

अभी एक पश्चिमी विक्षोभ 70 डिग्री पूर्व और 30 डिग्री उत्तर में 3.1 किलोमीटर से 4.5 किमी ऊंचाई तक ऊपरी हवा के चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण तथा एक द्रोणिका के रूप में स्थित है। इसके प्रभाव से बंगाल की खाड़ी से प्रचुर मात्रा में नमी आ रही है। रविवार को दिन में बादल छाए रहे, मौजूद नमी के कारण गर्मी का अहसास होता रहा। अगले चौबीस घंटे में एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

बस्तर में ज्यादा असर

मौसम विभाग के अनुसार, अभी का पश्चिमी विक्षोभ बस्तर में ज्यादा असर दिखा रहा है। वहां रात का तापमान सामान्य से आठ से दस डिग्री तक अधिक दर्ज किया जा रहा है, जिसके कारण मौसम ठंडा नहीं हो रहा है। पिछले चौबीस घंटे में वहां दो बार हल्की से मध्यम बारिश हो चुकी है। दूसरी ओर सरगुजा इलाके में ठंड बरकरार है और वहां रात का तापमान 10 डिग्री से नीचे रिकार्ड किया जा रहा है।

फ्लाइट में बम की सूचना देने वाला निकला आईबी का अफसर महीनेभर से जेल में बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नागपुर-कोलकाता इंडिगो फ्लाइट में पिछले माह 14 नवंबर को बम की सूचना देने वाला अमिनेश मंडल नागपुर में बतौर आईबी अफसर पदस्थ हैं। अमिनेश ने फ्लाइट में सुरक्षा जांच करने फ्लाइट में क्रू मेंबर को बम होने की सूचना दी थी। बम की सूचना मिलने के बाद आनन-फानन में फ्लाइट को रायपुर में लैंड कराया गया। इसके बाद रायपुर पुलिस ने बगैर किसी जांच-पड़ताल के आईबी अफसर के खिलाफ गंभीर धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जेल भेज दिया। पुलिस की गलती की वजह से आईबी अफसर करीब एक माह से जेल में बंद है।

■ आईबी अफसर ने सुरक्षा जांच करने इंडिगो के क्रू मेंबर को दी थी बम की सूचना

अनिमेश मंडल के वकील फैजल रिजवी के मुताबिक, आईबी अफसर ने पुलिस को अपने आईबी अफसर होने की जानकारी देते हुए अपना आई कार्ड भी दिखाया, लेकिन पुलिस ने गंभीर लापरवाही बरतते हुए आनन-फानन में बगैर पड़ताल किए आईबी अफसर के खिलाफ गंभीर धाराओं के तहत ▶▶|शेष पेज 13 पर

फ्री में मिली किताबें, फिर भी पढ़ाई प्राइवेट पब्लिशर्स की बुक से, अब गुहार-सिलेबस अलग, ना लें 5वीं-8वीं बोर्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश में मौजूदा शैक्षणिक सत्र से पांचवीं-आठवीं की परीक्षाएं एकीकृत कर दी गई हैं। अर्थात अब दसवीं और बारहवीं की तर्ज पर पांचवीं और आठवीं की परीक्षाएं भी बोर्ड प्रारूप में होंगी। इसके लिए समय-सारिणी लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जारी किए जाएंगे। इस संदर्भ में बीते सप्ताह लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा सभी जिला कलेक्टर को खत लिखकर दिशा-निर्देश दिए गए थे। इसमें उन्हें बताया गया था कि किस प्रारूप में परीक्षाएं होंगी। इसके आधार पर ही उन्हें पांचवीं-आठवीं परीक्षाओं की ▶▶|शेष पेज 13 पर

मौजूदा शैक्षणिक सत्र से पांचवीं-आठवीं की परीक्षाएं हो रही हैं केंद्रीकृत, मार्च में पर्चे

सत्र के अंत में फैसला

बोर्ड परीक्षाएं लिए जाने का फैसला सत्र के अंत में लिया गया है। हम इसके लिए तैयार नहीं हैं। किसी भी व्यवस्था की शुरुआत सत्र के प्रारंभ से की जानी चाहिए।

- **राजीव गुप्ता,** अध्यक्ष प्राइवेट कॉलेज एसोसिएशन

हजारों रुपए का सेट

पाठ्यपुस्तक निगम द्वारा पहली से दसवीं कक्षा तक छात्रों को निशुल्क किताबों का वितरण किया जाता है। ये किताबें शासकीय और निजी दोनों ही विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को वितरित की जाती हैं। इसके बाद भी निजी विद्यालयों द्वारा प्रतिवर्ष हजारों रूपए की किताबें छात्रों को मार्केट से खरीदने बाध्य किया जाता है। कम कीमत में उपलब्ध एनसीईआरटी किताबों को भी प्राथमिकता ▶▶|शेष पेज 13 पर

नए साल में स्मार्ट मीटर होंगे प्रीपेड, रीचार्ज कराने पर ही मिलेगी बिजली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नए साल में प्रदेशभर के 55 लाख बिजली उपभोक्ताओं को मोबाइल की तरह की रीचार्ज कराने पर ही बिजली मिल सकेगी। प्रदेश के सभी वर्गों के उपभोक्ताओं के पुराने मीटरों को बदलकर स्मार्ट मीटर लगाने का काम हो रहा है। अब तक छह लाख से ज्यादा मीटर बदले जा चुके हैं। अब पॉवर कंपनी उपभोक्ताओं के कनेक्शनों प्रीपेड करने नए साल में बिजली नियामक आयोग को ▶▶|शेष पेज 13 पर

■ बिजली कनेक्शन प्रीपेड करने पॉवर कंपनी नियामक आयोग को भेजेगी प्रस्ताव

सभी कनेक्शन होंगे प्रीपेड

स्मार्ट मीटर योजना में कनेक्शन प्रीपेड करने का प्लान है। वैसे अभी मीटर बदले जा रहे हैं तो उन्हें तत्काल प्रीपेड नहीं किया गया है। शुरुआत में कनेक्शन पोस्टपेड ही हैं, लेकिन इनको आने वाले समय में प्रीपेड करना होगा। ऐसे में अब पॉवर कंपनी ने अपने राजस्व विभाग को प्रस्ताव भेजकर मीटरों को प्रीपेड करने की तैयारी प्रारंभ कर दी है। राजस्व विभाग इससे होने वाले नफा-नुकसान का आकलन कर रहा है। इसके बाद बिजली नियामक आयोग को कनेक्शन प्रीपेड करने का प्रस्ताव भेजा जाएगा। वहां से जैसे ही मंजूरी मिलेगी, कनेक्शन प्रीपेड हो जाएंगे। कनेक्शन प्रीपेड होने पर जिन उपभोक्ताओं के मीटर स्मार्ट हो गए हैं, उनको हर माह पहले रीचार्ज कराना होगा, तब ही बिजली मिलेगी।

बिजली बिल हॉफ योजना का मिलेगा लाभ

कनेक्शन प्रीपेड होने के बाद भी घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली बिल हॉफ योजना का लाभ मिलेगा। इस योजना में 400 यूनिट तक की खपत में बिल आधा लगता है। प्रीपेड कनेक्शन में भी 400 यूनिट तक की खपत में आधा बिल ही लगेगा। इसके लिए सॉफ्टवेयर तैयार किया जाएगा। रोज की खपत के हिसाब से 400 यूनिट तक टैरिफ का आधा पैसा ही कटेगा। अन्य शुल्क के लिए भी सॉफ्टवेयर में प्रावधान किया जाएगा।

नमी की वजह से वातावरण में मौजूद धूल के कण बढ़ा रहे दिक्कत

बदलते मौसम से अस्थमा अटैक का खतरा, 30 फीसदी बढ़े श्वास रोगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दिसंबर की शुरुआत से ही मौसम में लगातार होने वाले बदलाव से अस्थमा अटैक का खतरा बढ़ गया है। लगातार बादल छाने और वातावरण में मौजूद नमी की वजह से अस्पतालों में इस तरह के मरीजों की संख्या 30 प्रतिशत तक बढ़ गई है। बादल छाए रहने और आर्द्रता की वजह से धूल के कण वातावरण में मौजूद हैं, जो पुराने मरीजों की परेशानियों को दोगुना कर रहे हैं।

ठंड के मौसम में श्वास की बीमारी से पीड़ित मरीजों की समस्या बढ़ जाती है। दिसंबर का महीना ऐसे मरीजों के लिए ज्यादा दिक्कत लेकर आया है। इस माह

लगातार दो दौर में बादल-बारिश की स्थिति बनी है। इसके प्रभाव रात में गर्मी और दिन में ठंड महसूस हो रही है। बादल और नमी के कारण धूल के कण वातावरण में निचले स्तर पर आ गए हैं, जो अस्पतालों में मरीजों की संख्या को बढ़ा रहे हैं। आंबेडकर अस्पताल के रेस्पिरेटरी विभाग के डाक्टरों के मुताबिक, पिछले कुछ समय से फेफड़े से संबंधित विभिन्न समस्या लेकर अस्पताल आने वाले मरीजों की संख्या बढ़ी है। नियमित रूप से विभाग की ओपीडी में आने सौ से डेढ़ सौ की संख्या में आने वाले मरीज अब दो सौ तक पहुंच रहे हैं। लक्षण के आधार पर उनका इलाज किया जा रहा है और मौसमी बदलाव से बचने के लिए उन्हें विभिन्न तरह की सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है। लगातार बदलते इस मौसम की वजह से ब्रोन्कियल अस्थमा की समस्या हो सकती है। इससे श्वास नली में सूजन आ जाती है, जो सांस लेने में मुश्किल पैदा करती है।

निमोनिया का खतरा भी

मौसम में बदलाव की वजह से विभिन्न तरह की बीमारियों की शिकायत बढ़ जाती है। फेफड़े संबंधित परेशानी से जूझने वालों को अधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है, अन्यथा निमोनिया का खतरा हो सकता है। बदलाव होने वाले मौसम में श्वास संबंधी रोगों से जूझने वालों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

- **डॉ. आरके पांडा,** विभागाध्यक्ष रेस्पिरेटरी, आंबेडकर अस्पताल

30 फीसदी मरीज बढ़े

अस्पताल में फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों से पीड़ित मरीजों की संख्या ठंड की शुरुआत के साथ 30 प्रतिशत तक बढ़ गई है। मौसम में होने वाले बदलाव इसकी मुख्य वजह हैं। बदलते मौसम, खासकर ठंड के दौरान पुराने मरीजों को बचाव के लिए ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए।

- **डॉ. रोशन सिंह,** चिकित्सक रेस्पिरेटरी विभाग, आंबेडकर अस्पताल

इन बातों का रखें ध्यान

- अस्थमा की शिकायत होने पर तुरंत चिकित्सकों से सलाह लें।
- श्वास संबंधी रोगी नियमित रूप से दवा की खुराक लें।
- धूल अथवा प्रदूषण जैसे इलाकों में मास्क का उपयोग करें।
- शारीरिक एक्टिविटी के साथ खानपान का विशेष ध्यान रखें।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

आ गयी
जलपरियाँ
आपके रायपुर शहर में
रायपुर में पहली बार
आज से
भव्य शुभारम्भ
उद्घाटनकर्ता
राजेश्री महंत रामसुन्दर दास जी महाराज
फिरोज़ अख्तर जी
समय शाम 6:00 बजे से
DISNEY LAND
MELA
मनोरंजन भी.. खरीदारी भी..
इंटरनेशनल एयर कंडिशन्ड फिश टनल
अपने सपनों को हकीकत में बदलते देखिये...
मेला स्थल-
रावणभाटा मैदान
नये बस स्टैंड के पास, भांटागांव, रायपुर
sumitadvertisers

खबर संक्षेप

आदित्य को राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान

रायपुर। राजधानी निवासी 11 वर्षीय आदित्य राजे को नई दिल्ली में राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान-2024 प्रदान किया गया। यह सम्मान उन्हें पर्यावरण संरक्षण एवं योग के क्षेत्र में उनके द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के लिए दिया गया। आदित्य राजे को यह सम्मान ललिता देवी इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस छतरपुर नई दिल्ली में टीवी कलाकार गजेंद्र चौहान द्वारा प्रदान किया गया। विभिन्न क्षेत्रों में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए अलग-अलग राज्यों से व्यक्तियों का चयन इस पुरस्कार के लिए किया गया था। आदित्य यह पुरस्कार प्राप्त करने वाले सबसे कम उम्र के प्रतिभागी रहे।

लभांडी से जोरा तक सर्विस रोड का काम बंद

रायपुर। साईं दर्शन आवासीय समिति साईंनगर जोरा के पूर्व अध्यक्ष डॉ. देवेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि रायपुर शहर से आरंग रोड की ओर राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों तरफ वर्षों बाद जैसे-तैसे लभांडी से जोरा तक सर्विस रोड की पहली परत का निर्माण वर्षा ऋतु के पहले तक हो गया था। इस सर्विस रोड का निर्माण एजेंसी द्वारा वर्षा ऋतु समाप्त हो जाने के बाद दूसरी लेयर का काम शुरू कर देना चाहिए था, लेकिन अभी तक यह महत्वपूर्ण निर्माण कार्य शुरू ही नहीं किया गया है। इसीलिए इस सर्विस रोड की दूसरी लेयर का काम संबंधित एजेंसी से जल्दी शुरू कराने के लिए समिति साईंनगर जोरा के पूर्व अध्यक्ष डॉ. देवेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण मुख्यालय नई दिल्ली तक छत्तीसगढ़ राज्य के प्रभारी जनरल मैनेजर को फीडबैक देकर संबंधित निर्माण एजेंसी को समुचित दिशा-निर्देश देकर जल्द से जल्द काम शुरू करने के लिए कहा गया।

प्रदेश में भाजपा बनाएगी 75 नए मंडल, अब एक मंडल में होंगे 45 से 50 बूथ

राष्ट्रीय नेतृत्व से मंजूरी के बाद संगठन चुनाव में बनाए जा रहे नए मंडल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अलग खबर

प्रदेश में भाजपा का संगठन चुनाव चल रहा है। बूथ कमेटियों के चुनाव के बाद अब मंडल अध्यक्षों के चुनाव की प्रक्रिया चल रही है। इसके पहले नए मंडलों का भी गठन किया जा रहा है। प्रदेश संगठन ने राष्ट्रीय नेतृत्व से प्रदेश में मंडलों की संख्या बढ़ाने की मंजूरी मांगी थी, वहां से मंजूरी मिलने के बाद अब नए मंडल बनाने का काम भी प्रारंभ कर दिया गया है। इसके लिए यह फार्मूला तय किया गया कि एक मंडल में 45 से 50 बूथ ही होंगे। एक दिन पहले ही रायपुर शहर में चार नए मंडल बनाए गए हैं। दूसरे जिलों में भी यह काम चल रहा है। करीब 75 नए मंडल बनेंगे और मंडलों की संख्या 405 से बढ़कर 480 हो जाएगी। छत्तीसगढ़ की 90 विधानसभाओं में 24 हजार से ज्यादा बूथ हो गए हैं, लेकिन भाजपा के मंडलों की संख्या अब भी 405 ही है, जबकि जिलों की संख्या में भी इजाफा हो गया है। इस बार प्रदेश संगठन ने राज्य में संगठन चुनाव से पहले राष्ट्रीय नेतृत्व को मंडलों की संख्या में इजाफा करने का प्रस्ताव भेजा था। इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद अब मंडलों की संख्या बढ़ाई जा रही है।

ये है फार्मूला

मंडलों की संख्या बढ़ाने जो फार्मूला तय किया गया है, उसमें सबसे अहम ये है कि अब एक मंडल के लिए बूथों की संख्या 45 से 50 होगी। इस समय कई मंडलों में 80 से 100 या फिर इससे भी ज्यादा बूथ हैं। जैसे राजनांदगांव के एक मंडल में सौ बूथ हैं। अब उसे दो मंडलों में बांटा जा रहा है। रायपुर शहर की चार विधानसभाओं में एक हजार से ज्यादा बूथ हैं, लेकिन यहां पर मंडल 16 थे, एक-एक मंडल में 80 से 90 बूथ थे। अब यहां 20 मंडल कर दिए गए हैं। ऐसे में अब एक मंडल में 50 बूथ ही रहेंगे।

अब होंगे ज्यादा मंडल अध्यक्ष

प्रदेश के संगठन चुनाव प्रभारी खूबचंद पारख ने बताया, राष्ट्रीय नेतृत्व से मंजूरी मिलने के बाद प्रदेश संगठन ने मंडलों की संख्या बढ़ाने का फैसला किया है, ऐसे में मंडलों के चुनाव में भी अब 405 मंडलों के स्थान पर करीब 480 मंडलों का चुनाव होगा। 15 दिसंबर तक मंडल अध्यक्षों का चुनाव होना है, इसकी प्रक्रिया चल रही है। मंडल अध्यक्षों के बाद जिलाध्यक्षों का चुनाव 16 से 31 दिसंबर तक होगा।

मंडलों के जिले भी बदल रहे

नए मंडलों के गठन के कारण कुछ मंडलों के जिलों के साथ विधानसभा में भी बदलाव होने जा रहा है। जैसे दुर्ग और भिलाई के कुछ मंडलों की विधानसभा के साथ जिले भी बदल रहे हैं। इसी तरह से अन्य जिलों में भी परिवर्तन वहां पर मंडलों के परिसीमन के कारण हो रहा है।

नगरीय प्रशासन विभाग आबादी के आधार पर तय करेगा आरक्षण

नगरीय निकाय चुनाव की उल्टी गिनती शुरू तारीखों का ऐलान आरक्षण तय होने के बाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनावों को लेकर काउंटडाउन शुरू हो गया है। मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के साथ ही नगरीय निकाय विभाग मेयर, नगरपालिका और नगर पंचायत अध्यक्ष पदों के लिए आरक्षण तय करने की कवायद में जुटा है। इसके बाद निर्वाचन आयोग इसी माह के अंतिम सप्ताह में चुनाव तारीखों का ऐलान कर सकता है।

■ 6 जनवरी तक छत्तीसगढ़ के नगर निगम, नगरपालिका और नगर पंचायतों में नया कार्यकाल शुरू होना है

माना जा रहा है कि 6 जनवरी तक छत्तीसगढ़ के नगर निगम, नगरपालिका और नगर पंचायतों में नया कार्यकाल शुरू होना है, ऐसे में माना जा रहा है कि दिसंबर और जनवरी के बीच में ही छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव हो सकते हैं। 11 दिसंबर तक निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन होना है। नगरीय निकाय चुनाव को लेकर कहा जा रहा है कि दिसंबर में छत्तीसगढ़ में आचार संहिता लग सकती है। चुनाव आयोग ने भी मतदाता सूची से लेकर दूसरी सभी तैयारियां तेज कर दी हैं, क्योंकि जनवरी में निकायों का कार्यकाल पूरा हो जाएगा। ऐसे में निर्वाचन आयोग के अलावा राज्य सरकार ने भी चुनावी तैयारियां शुरू कर दी हैं। सभी निकायों का परिसीमन पूरा होने के बाद अब नगरीय प्रशासन विभाग को यहां पर आबादी के आधार पर आरक्षण तय करना है। निकाय के जिन पदों के आरक्षण राज्य स्तर से तय होने हैं, उनमें जिला पंचायत अध्यक्ष, नगर निगम महापौर, नगरपालिका अध्यक्ष के पद शामिल हैं। उन पदों के लिए ऐसे निकायों की कुल जनसंख्या के आधार पर आरक्षित पदों की संख्या तय की जाएगी। उनमें से एक तिहाई पद महिलाओं के लिए आरक्षित होंगे।

आरक्षण से तय होंगी मेयर की सीटें

वहीं नगरीय निकाय चुनाव के लिए नए सिरे से परिसीमन होने की वजह से मेयर और पार्षदों की सीटें भी नए सिरे से ही आरक्षित की जाएंगी। राज्य में महापौर के पदों की कुल संख्या में अजा और अजजा के लिए 50 प्रतिशत से कम स्थान आरक्षित होने पर कुल स्थानों की संख्या के 50 प्रतिशत की सीमा के अधीन रहते हुए शेष स्थान ओबीसी के लिए उनकी जनसंख्या के अनुपात में आरक्षित किए जाएंगे। अगर किसी स्थान पर अजा और अजजा की जनसंख्या 50 प्रतिशत से अधिक होती है तो ओबीसी के लिए आरक्षित नहीं किया जाएगा।

20 के बाद आचार संहिता लगने की संभावना

नगरीय निकाय व पंचायत चुनाव को लेकर 20 दिसंबर के बाद आचार संहिता लगाई जा सकती है। 11 दिसंबर को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन होना है। बताया जाता है कि जनवरी तक नगरीय निकाय चुनाव की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पंचायत चुनाव 4 या 5 चरण में कराए जा सकते हैं।

ऐसे तय होगा आरक्षण

ऐसे नगर निगम के वार्ड, जहां अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के लिए 50 प्रतिशत से कम स्थान आरक्षित किए गए हैं, वहां निकटतम रूप से कुल स्थानों की संख्या के 50 प्रतिशत की सीमा के अंदर रहते हुए शेष स्थान ओबीसी के लिए उनकी जनसंख्या के अनुपात में आरक्षित की जाएगी। ऐसे स्थान अलग-अलग वार्डों के लिए चक्रानुसार आरक्षित किए जाएंगे। अगर किसी स्थान पर अजा और अजजा का कुल आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक है तो अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित नहीं किया जाएगा।

बाघों की आमद इतनी कि प्रबंधन संभाल नहीं पा रहा

ड्रोन से फोटो खींचकर सो रहे टाइगर को जगाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बाघ के लिए तरस रहे छत्तीसगढ़ के जंगलों में पड़ोसी राज्य के बाघों की बड़ी तेजी से आमद हो रही है। बाघों की यहां जिस रफ्तार से आमद हो रही है, उस तेजी से प्रबंधन मैनेजमेंट करने में असफल साबित हो रहा है। असफल प्रबंधन का एक ऐसा ही वीडियो सामने आया है, जिसमें एक बाघ का ड्रोन से वीडियो बनाया जा रहा है। जिस समय ड्रोन से यह वीडियो बनाया जा रहा था, उस समय बाघ सो रहा था। ड्रोन की आवाज सुनकर बाघ नींद से जाग गया और सुरक्षित स्थान की तलाश में किसी दूसरी जगह निकल गया।

गौरतलब है कि जिस बाघ का ड्रोन वीडियो सामने आया है, वह अनूपपुर से भटकते हुए मरवाही के जंगल में आई मादा बाघ बताई जा रही है। वन अफसर बाघिन की कथित तौर पर सुरक्षा करने उसकी ड्रोन से निगरानी कर रहे थे। इस दौरान बाघिन एक फार्म हाउस के पास सुरक्षित जगह तलाश कर सो रही थी। इसी दौरान वन विभाग के अफसरों के निर्देश पर वनकर्मी ड्रोन से उसका वीडियो बनाने लगे। ड्रोन की आवाज सुनकर सो रही बाघिन इधर-उधर देखने के बाद किसी खतरे की आशंका के चलते सुरक्षित स्थान की तलाश में चली गई।

सोते बाघ की फोटो खींचने पर लग चुका है जुर्माना

राजस्थान के रणथंभौर टाइगर रिजर्व में सो रहे बाघ का एक पर्यटक ने फोटो खींच लिया था। साथ ही पर्यटक ने गाइड को सोते हुए बाघ को पत्थर मारकर जगाने के लिए कहा। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इस पर टाइगर रिजर्व के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने पर पर्यटक को 51 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। घटना इसी साल 23 अप्रैल की है।

ड्रोन से फोटो खींचने की एनटीसीए से शिकायत

वन्यजीव के जानकारों के मुताबिक, बाघ 18 से 20 घंटे तक सोते हैं। ऐसी स्थिति में बाघ को जगाने पर वे उग्र हो सकते हैं। अपनी सुरक्षा के लिए बाघ दूसरी जगह चले जाते हैं। सो रही बाघिन की ड्रोन से वीडियो बनाकर जगाने की घटना से वन्यजीव प्रेमी नाराज हैं। वन्यजीव प्रेमियों ने इसकी लिखित शिकायत एनटीसीए के सचिव से की है।

निधन

सुमित्रा देवी ठाकुर

रायपुर। कुशालपुर निवासी सुमित्रा देवी ठाकुर (68) का निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 9 दिसंबर को सुबह 11 बजे मारवाड़ी श्मशान घाट के लिए निकलेगी। वे राहुल ठाकुर, बोनी ठाकुर की माता और सुरेश ठाकुर, दिनेश ठाकुर की भाभी थीं।

सावित्री नाग

रायपुर। रामकुंड आमापारा निवासी सावित्री नाग का 8 दिसंबर को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 9 दिसंबर को सुबह 10 बजे मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे स्व. दुर्गा दास नाग की पत्नी थीं।

महाराष्ट्र मंडल के महिला केंद्रों में रामरक्षा स्तोत्र-हनुमान चालीसा पाठ

रायपुर। महाराष्ट्र मंडल की आध्यात्मिक समिति के मार्गदर्शन में सभी 16 महिला केंद्रों ने प्रत्येक शनिवार को आयोजित रामरक्षा स्तोत्र और हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन शनिवार को भी बड़े उत्साह के साथ किया। मंडल के तात्यापारा, चौबे कालोनी, टाटीबंध, डगनिया समेत लगभग सभी केंद्रों की महिलाओं ने रामरक्षा स्तोत्र और हनुमान चालीसा का पाठ किया। मंदिरों और सार्वजनिक स्थानों पर उनके साथ ऐसे कई भक्तजन भी जुड़े, जो महाराष्ट्र मंडल के आजीवन सभासद नहीं हैं। आध्यात्मिक समिति की समन्वयक आस्था अभय काले ने बताया कि समिति की ओर से प्रत्येक शनिवार यह आयोजन 48वें सप्ताह भी निरंतर जारी रहा। सामूहिक पाठ करने वालों में अनुभा जाऊलकर, नमिता शेष, भावना राजिमवाले, रश्मि डांगे, ज्योति डोलस, प्रिया जोगलेकर, आदि उपस्थित थीं।

सिंधी काउंसिल ने तीन जगह लगाया आयुष्मान कार्ड शिविर

रायपुर। सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ इकाई एवं स्वास्थ्य विभाग के विशेष सहयोग से तीन स्थानों पर आयुष्मान कार्ड कैंप लगाया गया। साथ ही 70 वर्ष की आयु से अधिक के बुजुर्गों का 5 लाख की सहायता संबंधी आयुष्मान कार्ड भी बनाया गया। इस मौके पर सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ ने बताया कि बीपीएल कार्डधारियों को भी 5 लाख का पूरे परिवार एवं बिना बीपीएल राशन कार्ड वाले परिवार को 50 हजार का आयुष्मान कार्ड बनाया गया। इसी दौरान रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने लाखेनगर सिंधी धर्मशाला में कैंप का उद्घाटन किया और कहा, केंद्र और राज्य मिलकर आयुष्मान कार्ड योजना लेकर आए हैं, डबल इंजन की सरकार की सोच हर वर्ग का ध्यान रख रही है और इसका लाभ सभी वर्ग लें।

20 वार्डों में सालभर में 139 करोड़ के काम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर पश्चिम के भाजपा विधायक राजेश मूणत ने चौथी बार विधायक बनने के बाद 4 दिसंबर 2023 से अपने विधानसभा क्षेत्र में वार्डों की जरूरत का सर्वे शुरू किया और सिर्फ एक साल में सभी वार्डों में विकास के नए काम किए हैं। उन्होंने अपनी विधायक निधि के अलावा सीएम विष्णुदेव साय तथा पीडब्ल्यूडी मंत्री अरुण साव के जरिए वार्डों में सालभर में 139 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। उन्होंने राजधानी में सरकारी स्कूलों और कॉलेजों के अपग्रेडेशन तथा निर्माण का सबसे बड़ा अभियान प्रारंभ किया है। गुढ़ियारी में पहले सरकारी कॉलेज की आधारशिला रखने के साथ राजेश मूणत ने युवाओं को बड़ी सुविधा देने पर अमल शुरू कर दिया है। हीरापुर और जरवाय में लाखों लोगों को सुरक्षित रास्ते मिलेंगे। तकरीबन हर वार्ड में प्राइमरी से हायर सेकेंडरी तक के सरकारी स्कूलों में छात्रों के लिए ऐसी सुविधाएं जुटा रहे हैं, ताकि छात्रों को स्कूल आने में अच्छा महसूस हो।

■ विधायक राजेश मूणत ने बड़ी संख्या में कराए विकास कार्य

आर्य समाज बैजनाथ पारा रायपुर का निर्वाचन

छत्तीसगढ़ की आर्य समाजों में प्रमुख स्थान रखने वाले (1907 में स्थापित लाला लाजपतराय द्वारा उद्घाटित) आर्य समाज बैजनाथ पारा रायपुर का वार्षिक आमसभा और निर्वाचन श्री रवि आर्य छत्तीसगढ़ आर्य प्रतिनिधि सभा के पर्यवेक्षक और वैदिक विद्वान **आचार्य प्रेम प्रकाश शास्त्री** के चुनाव अधिकारी के निरीक्षण में आज 8 दिसंबर 2024 को संपन्न हुआ। जिसमें सर्वसम्मति से आदरणीय **श्री योगी राम जी साहू** को प्रधान के रूप में चुना गया। प्रधान जी की सहमति से **श्री बृज कुमार साहू जी** को मंत्री के रूप में और श्री रामकुमार जी साहू को कोषाध्यक्ष के रूप में चुना गया। इस अवसर पर **डॉक्टर विक्रम आर्य एवं श्रीमती अर्चना खंडेलवाल** की गरिमामयी उपस्थिति थी। समस्त सभासद एवं उपस्थित आर्य नर-नारियों ने आदरणीय यशस्वी **प्रधान जी** को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रदान कीं। शांति पाठ के साथ सभा संपन्न हुई।

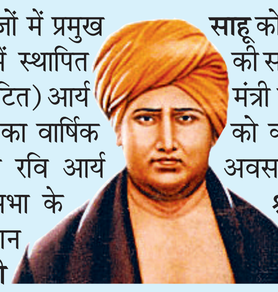

ADVT

बिजनेस साइट

अष्टविनायका रियलिटीज ने मनाया तीसरा फाउंडेशन डे

रायपुर। अष्टविनायका रियलिटीज ने रविवार को अपना तीसरा फाउंडेशन डे धूमधाम से मनाया। इस खास मौके पर कंपनी ने समाजसेवा के विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसमें जरूरतमंदों को भोजन, फल, अनाज और कंबल वितरित किए। अष्टविनायका रियलिटीज के सीएमडी विक्की लोहाना, जीतू लोहाना, पवन लोहाना और विजय तनवानी ने इस अवसर पर अपने संदेश में कहा कि हम अपने तीसरे फाउंडेशन डे पर गर्व महसूस करते हैं। यह हमारी टीम की कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। हम अपने ग्राहकों, भागीदारों और समुदाय के समर्थन के लिए आभारी हैं। कार्यक्रम में अष्टविनायका रियलिटीज के फाउंडर मेंबर आशीष जैन, मनीष तलरेजा, कपिल जोशी, विजय सेनगुप्ता, पुष्पराज, राजकुमार तलरेजा, निखिल, लक्ष्मण, हेमंत, तरुण बेपारी, विनीत जैन, राजेश, मुकेश, दिनेश, चिंटू, विशाल और अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

पेज 11 के शेष

कुंभ जाने महीनेभर...

फ्लाइट का किराया बढ़ने के बावजूद बड़ी संख्या में लोग बुकिंग करा रहे हैं। पहले से ही रायपुर से प्रयागराज जाने दो ट्रेनों में बुकिंग फुल हो चुकी है। 13 जनवरी को सरनाथ के स्लीपर में जहां 88 वेटिंग है तो वहीं थर्ड और अन्य एसी कोच में भी 60 से अधिक वेटिंग हो गई है। पहले दिन की बुकिंग महीनेभर से शुरू हो चुकी है। रेलवे ने अभी तक स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा नहीं की है।

नए साल में स्मार्ट...

प्रस्ताव भेजेगी। वहां से मंजूरी मिलने के बाद कनेक्शन प्रीपेड हो जाएंगे। इसके बाद पहले रीचार्ज कराने पर ही बिजली मिलेगी। केंद्र सरकार ने देश के हर राज्य में स्मार्ट मीटर लगाने राजपत्र में इसका प्रकाशन कर दिया है। ऐसे में अब हर राज्य के लिए स्मार्ट मीटर लगाना जरूरी हो गया है। छत्तीसगढ़ में भी यह योजना प्रारंभ हो गई है। यहां पर टाटा और जीनस कंपनी को स्मार्ट मीटर लगाने का काम दिया गया है। दोनों कंपनियां प्रदेशभर में पुराने मीटर निकालकर स्मार्ट मीटर लगाने का काम कर रही हैं। अगले साल के अंत तक सभी मीटरों को बदलने का लक्ष्य है।

फ्री में मिली...

तैयारी करने कहा गया था। अब इसमें एक नया पेंच निजी स्कूलों को लेकर फंस गया है। दरअसल, केंद्रीकृत स्तर पर प्रश्नपत्र शासन स्तर पर तैयार किए जाएंगे। पाठ्य-पुस्तक निगम द्वारा प्रकाशित किताबें जो शासकीय और निजी विद्यालयों में निशुल्क रूप से वितरित की गई है, उसके आधार पर प्रश्नपत्र तैयार किए जाएंगे। निजी विद्यालयों द्वारा निशुल्क किताबों के वितरण पश्चात भी प्राइवेट पब्लिशर्स की बुक्स से अध्ययन कराया जाता रहा है। ऐसे में प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन की मांग है कि पांचवीं-आठवीं की परीक्षाएं अगले सत्र से बोर्ड पैटर्न में की जाएं, क्योंकि इस वर्ष उन्होंने पृथक किताबों से पढ़ाई कराई है।

हजारों रुपए का...

नहीं दी जाती है। जिन दुकानों से निजी स्कूलों का अनुबंध होता है, उन्हें वहीं से पुस्तकें खरीदने बाध्य किया जाता है। प्रत्येक वर्ष पालकों की जेब निजी स्कूलों की इस मनमानी के चलते ढीली होती हैं। परीक्षा संबंधित नई व्यवस्था से अब इसमें लगाम लगने की उम्मीद है। हालांकि कुछ वर्षों पूर्व कोर्ट द्वारा दिए गए एक निर्णय के अनुसार, निजी विद्यालय प्राइवेट पब्लिशर्स की किताबें भी पढ़ा सकते हैं।

फ्लाइट में बम देने...

अपराध दर्ज कर कोर्ट में पेश कर जेल दाखिल कर दिया। वहीं इस पूरे मामले में तब पुलिस से पूछा गया कि फ्लाइट में बम की सूचना देने वाला व्यक्ति क्या काम करता है, तब पुलिस का कहना था कि आरोपी अपने बारे में कुछ बता नहीं रहा है। पुलिस की इस गंभीर लापरवाही को केंद्रीय एजेंसी ने गंभीरता से लेते हुए दोषी पुलिस अफसर के खिलाफ एसएसपी से कार्रवाई की मांग की है।

Health Town

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
(22 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)
क्षार-सूत्र चिकित्सा केन्द्र, रायपुर मो. 9039050422, 91794 55561
पाइल्स, फिशर, फिस्टूला विशेषज्ञ
डॉ. के.बी. श्रीनिवास राव
INTL Ayurvedic Consultant
राज्य अलंकरण अवार्ड से सम्मानित
अशोक विहार, स्ट्रीट नंबर 5, सरस्वती दाल मिल के सामने, मंडी गेट के सामने, पंडरी रायपुर। मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, बिलासपुर रोड, फाफाडीह रायपुर।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें: 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

चकल्लस

पैसा बोलता है

फिल्म हेराफेरी का डॉयलॉग तो सुना होगा...भैया, पैसा हो तो क्या नहीं हो सकता। मतलब पैसा हो तो न लाइन में लगने की जरूरत है न आम आदमी की तरह अपने काम के लिए इंतजार करने की। पैसा हो तो साहब रजिस्ट्री करने के लिए घर तक पहुंच जाएंगे। आम आदमी टोकन का इंतजार करता रहेगा, लेकिन अगर 25 हजार दे दिए तो बस...सेठजी, चाय की चुस्कियों के साथ जमीन और मकान रजिस्ट्री के कागजों पर अपने लॉन में बैठकर साइन करेंगे। मतलब सिस्टम ने आम आदमी को बता दिया है कि पैसा हो तो सरकारी अमला भी घर पहुंच सेवा देगा। क्योंकि पैसा बोलता है। आम आदमी का क्या है,वह तो धक्का खाने के लिए ही पैदा होता है।

मोक्ष तो मिलकर रहेगा

देखिए...दौर ऐसा है कि समाज के लिए कितना भी लड़ लीजिए, सच का कितना भी साथ दे लीजिए, जीत आखिर बुराई की हो रही है। पूरा सिस्टम गलत लोगों को बचाने में जुट जाता है। खबरी बता रहा था कि ऊपर से नीचे तक, सबकी मिलीभगत से, गैर जरूरी 350 करोड़ की दवाएं सप्लाई करने वाली कंपनी के भुगतान की फाइल आगे बढ़ गई है। नए और पुराने कई दिग्गज फाइल को अपना आशीर्वाद दे चुके हैं। आखिरी साइन होते ही पेमेंट कर दिया जाएगा। जिस कंपनी और कंपनी को अरबों रुपए का आर्डर देने वालों को जेल भेजने की बजाय भुगतान की तैयारी है। इतना ही नहीं, जांच के लिए जो कमेटियां बनाई गईं वे कहां दुबक गईं किसी को नहीं पता। लग रह है कि कंपनी को मोक्ष मिल जाएगा।

अंडे का फंडा...

एक एनजीओ आया। प्रपोजल दिया कि वे कुपोषण के खिलाफ जंग लड़ना चाहता है। स्कूलों में अपने पैसे से बच्चों को अंडा खिलाना चाहता है। प्रपोजल अच्छा था, फाइल आगे बढ़ गई। छत्तीसगढ़ के कई जिलों में इसकी बहुत जरूरत थी। फाइल नीचे से एप्रूव हुई। ऊपर वाले साहब के पास पहुंची। उन्होंने कहा, इस पर मैं कैसे साइन कर सकता हूं? नीचे वाले ने पूछा, क्यों क्या हुआ साहब? साहब बोले, मैं नानवेज नहीं खाता। अंडा नहीं खाता। मैं साइन नहीं कर सकता। मेरा धर्म इसकी इजाजत नहीं देता। बस वह दिन है और आज का दिन, कई महीने गुजर जाने के बाद भी स्कूलों में बच्चों को अंडा नहीं मिल पाया है।

पीकर गया शराब पकड़ने

एक गांव में अवैध शराब की बिक्री की खबर मिली। साहब ने एक हवलदार के नेतृत्व में टीम धरपकड़ के लिए भेज दी, लेकिन जब टीम वहां पंहुची और जो कुछ भी हुआ, उसकी कहानी भी दिलचस्प है। साहब को उसी हवलदार को निलंबित करना पड़ गया। दरअसल हुआ ये कि शराब पकड़ने जाते हुए हवलदार ने खुद जमकर शराब पी ली। फिर गांव में जाकर उसने आम लोगों पर धौंसपट्टी और बदसलूकी शुरू कर दी। इसकी वजह से अवैध शराब पकड़ना तो दूर, नाराज ग्रामीणों से हवलदार को बचाकर लाना भी मुश्किल हो रहा था। अब हवलदार पर शराब पीकर ड्यूटी करने के आरोप में कार्रवाई की जा रही है।

बाबूगिरी वाली बांड ड्यूटी

एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करने वालों से बाबूगिरी वाली बांड ड्यूटी कराई जा रही है। प्रदेश में आयुष्मान स्वास्थ्य सहायता योजना के बेहतर संचालन की निगरानी करने वाली स्टेट नोडल एजेंसी को ऐसे डेढ़ दर्जन युवा डॉक्टरों को तैनात किया गया है। पांच साल की पढ़ाई से ज्ञान ले चुके इन डॉक्टरों को हेल्थ सेंटरों में प्रेक्टिकल का अनुभव होता, मगर उनके कौशल का गलत उपयोग हो रहा है। चर्चा इस बात की है कि अस्पतालों से आने वाले भुगतान संबंधी प्रकरणों की जांच का काम इनके पास है, जो गंभीरता से अपना काम पूरा कर रहे हैं और धड़ाधड़ क्लेम रिजेक्ट हो रहे हैं।

पढ़ाई में व्यवधान, बंद करो काम

शासकीय मेडिकल कॉलेज में पीजी की पढ़ाई करने वाली महिला जूनियर डॉक्टरों की पढ़ाई में व्यवधान उत्पन्न हो रहा है। दरअसल महिला जूनियर डॉक्टर दोपहर तक अस्पताल ड्यूटी के बाद जब अपने हॉस्टल पहुंच रही हैं तो वहां देर रात चलने तक चलने वाले निर्माण कार्य के शोरगुल के कारण वे पढ़ाई नहीं कर पा रही हैं। ठेकेदार दोपहर बाद काम बंद करने उनके निवेदन को अस्वीकार कर चुका है। अब इसमें छात्र राजनीति के हस्तक्षेप के आसार हैं, क्योंकि परीक्षा सिर पर होने से चितिंत पीजी छात्राओं ने इसे लेकर संगठन के जुड़े युवा चिकित्सकों से काम बंद कराने की मांग की है।

आवंटन पर बवाल, अफसर बेफिक्र

राजधानी में एक जमीन बिल्डर के नाम किए जाने के मामले में बवाल के बाद अब अफसरों की नींद उड़ गई है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आ रही है कि एक अफसर ने बिल्डर को फायदा पहुंचाने नियमों को दरकिनार कर दिया। तीन अफसरों ने बिल्डर के प्रोजेक्ट में जमीन भी ली है। इन सबके बावजूद अफसर निश्चिंत हैं। सरकार के कई प्रभावशाली नेताओं से बिल्डर के गहरे रिश्ते हैं, वे बेफिक्र हैं। मामले में पार्टी के विधायक कार्रवाई के लिए दबाव बनाए हुए हैं। आवंटन के पूरे मामले की जद में कई बड़े लोग सीधे तौर पर आएंगे। अब विधायक अलग-थलग पड़ते दिख रहे हैं। वैसे देखा जाए तो स्थानीय विधायक जमीन के पीछे ही पड़ गए हैं।

हो गया फोटोशूट?

एनएसयूआई ने बीते सप्ताह दिल्ली में संसद घेराव किया। सभी राज्यों से प्रतिनिधियों को इसमें बुलाया गया। छत्तीसगढ़ से भी दल-बल गया, लेकिन वहां के हाल कुछ और ही रहे। कुछ तो सही में धरना-प्रदर्शन के लिए पहुंचे हुए थे, लेकिन कुछ सिर्फ घूमने-फिरने के लिए। पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के सोशल साइट अकाउंट्स वहां की तस्वीरों से इस कदर भरे पड़े हैं कि समझ नहीं आ रहा है, मकसद संसद घेरना था या फोटोशूट करना? खैर जो भी हो, सरकार यदि आ भी जाए इनकी तो मलाई कौन सी निचले स्तर पर पहुंचती है? अब ऐसे में ठीक भी है कि फोटोशूट ही कर लिया जाए।

पुराने वाले ही ठीक थे

माशिम मार्च से दसवीं-बारहवीं की परीक्षाएं लेने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए प्रश्नपत्र छपवाने और उत्तरपुस्तिकओं के लिए टेंडर और ठेके संबंधित प्रक्रिया शुरू हो गई है। नई वाली मैडम नियमों की पक्की हैं। एक रुपए भी यहां से वहां होने नहीं देती। सुनने में आया है कि गोपनीयता का हवाला देकर बीते वर्षों में परीक्षा संबंधित कार्यों में लोग खूब मालामाल हुए हैं। अब सेटिंग उस स्तर पर नहीं हो पा रही है। सालों से मलाई खा रहे लोगों का कष्ट अब मैडम कैसे समझे? वे भी बेचारे मन ही मन बुदबुदाते रहते हैं-पुराने वाले साहब ही ठीक थे।

जिया कुरैशी, सुरेंद्र शुक्ला, विकास शर्मा, रुचि वर्मा।

रविवि प्रबंधन ने अंततः खरीदे खिलाड़ी छात्रों के लिए ट्रैकसूट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खबर का असर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि ने अंततः अपने खिलाड़ी छात्रों के लिए ट्रैकसूट की खरीदी कर ली है। पिछले शैक्षणिक सत्र में रविवि ने अपने विद्यार्थियों को ट्रैकसूट का वितरण नहीं किया था।

शैक्षणिक सत्र 2023-24 के प्रारंभ में टेंडर और खरीदी को लेकर लेट-लतीफी की गई। इसके बाद विधानसभा आचार संहिता का हवाला देकर वितरण नहीं किया जा सका। पिछले सत्र में खिलाड़ी छात्रों को ट्रैकसूट के बगैर ही खेल गतिविधियां पूर्ण करनी पड़ी थी।

हरिभूमि ने उठाया था खिलाड़ी छात्रों को ट्रैकसूट नहीं देने का मुद्दा

परीक्षा में खर्चे 4 करोड़ 16 लाख रुपए

शैक्षणिक सत्र 2023-24 की वार्षिक और सेमेस्टर परीक्षाओं में रविवि द्वारा 4 करोड़ 16 लाख रूपए खर्च किए गए हैं। सामान्यतः महाविद्यालयों द्वारा परीक्षा संबंधित कार्यों में अपने मद से राशि का व्यय किया जाता है। इसके पश्चात रविवि पैसों का भुगतान करता है। कार्यपरिषद की बैठक में इस शेष राशि का भुगतान करने निर्णय पारित किया गया। शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए परीक्षा कार्य जारी है। इसमें खर्च होने वाली राशि का भुगतान अगले शैक्षणिक सत्र में किया जाएगा।

■ कार्यपरिषद की बैठक में लिया गया फैसला

कई महाविद्यालयों ने इसे लेकर नाराजगी भी जाहिर की थी। हरिभूमि ने खिलाड़ी छात्रों की इस समस्या को प्रमुखता के साथ उठाया था। अब शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए 1230 नग ट्रैकसूट की खरीदी की गई। इसके लिए 10 लाख 7 हजार 370 रुपए का भुगतान रविवि द्वारा संबंधित फर्म को करने कार्यपरिषद की बैठक में निर्णय पारित किया गया है। गौरतलब है कि अंतरमहाविद्यालयीन खेल स्पर्धा में खिलाड़ियों को रविवि द्वारा ट्रैकसूट प्रदान किए जाने का नियम है। खरीदी पश्चात वर्तमान सत्र में खिलाड़ी छात्रों को ट्रैकसूट प्रदान किए जा रहे हैं।

निशुल्क होगा अंकसूची सत्यापन

इसके अतिरिक्त रविवि द्वारा अन्य महत्वपूर्ण फैसले भी कार्यपरिषद की बैठक में लिए गए हैं। अब तक रविवि अंकसूची अथवा उपाधि प्रमाणपत्र सत्यापन व छायाप्रति के लिए निर्धारित शुल्क लेता रहा है। लेकिन पुलिस को अब यह सुविधा निशुल्क रूप से प्रदान की जाएगी। केंद्र अथवा राज्य शासन द्वारा होने वाली पुलिस संबंधित जांच में सहयोग करने के लिए रविवि ने व्यवस्था में यह बदलाव किया है। हालांकि अन्य विद्यार्थियों से पूर्ववत ही शुल्क लिए जाते रहेंगे। यह सुविधा सिर्फ पुलिस को कार्रवाई में सहयोग करने के उद्देश्य से दी जा रही है। गौरतलब है कि प्रत्येक वर्ष थोक में पुलिस के बाद फर्जी मार्कशीट से नौकरी हासिल करने सहित कई तरह के मामले सामने आते रहे हैं। इनके समाधान के लिए विश्वविद्यालय के सहयोग की आवश्यकता पुलिस विभाग को होती है।

प्रदेशभर से पहुंचे 200 से अधिक बीएड प्रशिक्षित सहायक शिक्षक

रोजगार सुरक्षा के लिए किया हनुमान चालीसा पाठ, पुलिस ने रोका, भिड़े शिक्षक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रविवार दोपहर राम मंदिर के समक्ष जमकर हंगामा हुआ। यहां प्रदेशभर से 200 से अधिक की संख्या में बीएड प्रशिक्षित सहायक शिक्षक पहुंचे हुए थे। वे अपनी नियुक्ति रद्द नहीं करने की मांग लेकर यहां पहुंचे हुए थे। नौकरी की रक्षा के लिए वे यहां हनुमान चालीसा का पाठ करने लगे, लेकिन हनुमान चालीसा की पंक्तियां पूर्ण होने के पूर्व ही पुलिस ने उन्हें वहां से हटा दिया। इस दौरान दोनों पक्षों की ओर से जमकर कहा-सुनी हुई।

पुलिस ने प्रदर्शनकारी लोगों को जबरन खदेड़ा। दोपहर में मंदिर के पट बंद होने के कारण प्रदर्शनकारी शिक्षक मंदिर के बाहर ही बैठकर पाठ करने लगे। पुलिस द्वारा हटाए जाने पर भी नहीं हटने के बाद दोनों पक्षों में गहमागहमी शुरू हो गई। करीब घंटेभर तक दोनों पक्षों में तकरार चली। इस दौरान यातायात भी प्रभावित रहा।

यह है मामला

सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में प्राथमिक कक्षाओं में अध्यापक के पद पर सेवाएं देने सिर्फ डीएलड डिग्रीधारियों को ही योग्य ठहराया था। इसके उलट प्रदेश में बीएड डिग्रीधारियों को भी प्राथमिक कक्षाओं में पदस्थ कर दिया गया था। डीएलएड डिग्रीधारियों ने इन नियुक्तियों को कोर्ट में चुनौती दी थी। सुनवाई करते हुए कोर्ट ने सरकार को आदेश दिया था कि डीएलएड वालों की लिस्ट जारी करें। आदेश के बाद भी शासन द्वारा बीएड शिक्षकों को उनके पदों से नहीं हटाया गया और ना ही डीएलएड वाले अभ्यर्थियों की सूची जारी की गई। 10 दिसंबर को कंटेंप्ट-ऑफ-कोर्ट की सुनवाई होने वाली है। इसके बाद प्राथमिक कक्षाओं में बतौर सहायक शिक्षक नियुक्त बीएड डिग्रीधारियों को हटाए जाने की आशंका है। इसके विरोध में ही शिक्षक प्रदर्शन करने पहुंचे थे।

अपनी नियुक्ति यथावत बनाए रखने की मांग, पुलिस ने खदेड़ा

14 महीने से नौकरी कर रहे हैं 2900 सहायक शिक्षक

कांग्रेस शासनकाल में शिक्षकों के 10 हजार पदों पर भर्तियां निकाली गई थी। इस दौरान प्राथमिक कक्षाओं में बीएड डिग्रीधारी 2 हजार 900 अभ्यर्थियों को सहायक शिक्षक के पद पर नियुक्त किया गया। जिन शिक्षकों को हटाकर डीएलएड डिग्रीधारियों की नियुक्ति की तैयारी की जा रही है, वे बीते 14 माह से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। प्रदेश में यह पहला मामला होगा, जब इतनी बड़ी संख्या में किसी को नियुक्ति देकर लंबे समय तक सेवा लेने के पश्चात पदमुक्त किए जाने की प्रक्रिया चल रही है।

लंबे समय से चल रहा विवाद

बीएड डिग्रीधारी सहायक शिक्षक पूर्व में भी अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर चुके हैं। उनके द्वारा विभिन्न स्तर पर मंत्री और शासन-प्रशासन के लोगों से मुलाकात कर अपनी मांग रखी जा चुकी है। इसके बाद भी उन्हें कोई राहत नहीं मिल सकी है। बीएड डिग्रीधारी सहायक शिक्षक जो प्राथमिक कक्षाओं में सेवारत हैं, का कहना है कि उन्हें डीएलएड की पढ़ाई सेवा के साथ-साथ करा दी जाए, जिससे उनकी नौकरी सुरक्षित रहे और न्यायालय के आदेश की अवमानना ना हो।

सुनाई अपनी पीड़ा

प्रदर्शन के दौरान बीएड डिग्रीधारी सहायक शिक्षकों ने अपनी पीड़ा भी बताई। कई का कहना था कि वे अपने घर में एकलौते कमाने वाले हैं तो कई ने इस नौकरी के लिए निजी नौकरी ठुकराए जाने की बात कही। कई शिक्षकों ने बताया कि उनकी शादी इस शासकीय नौकरी के आधार पर ही तय हुई थी। शासकीय नौकरी नहीं रहने पर अब उनके रिश्ते पर भी संकट मंडरा रहा है। इस तरह की अन्य पारिवारिक व आर्थिक दिक्कतें प्रदर्शनकारियों ने साझा की।

बलौदाबाजार के फरार बदमाशों ने नकली नोट से गांजा खरीदने रायपुर में बनाया था ठिकाना

■ नोट खपाने से पहले पकड़े गए शातिर

■ हत्यारोपी को फरार कराने समेत मारपीट तथा गांजा तस्करी के आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बलौदाबाजार जिले की लवन पुलिस ने नकली नोट खपाने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। दोनों एक हत्यारोपी को फरार कराने में मददगार होने के आरोपी हैं। इनमें एक गांजा बेचने तथा मारपीट के मामले का फरार आरोपी है। बदमाश भाठागांव स्थित विनायक नगर में किराए का मकान लेकर नकली नोट छापने का काम कर रहे थे।

लवन टीआई केशर पराग के मुताबिक, भुवन साहू उर्फ भूपेश तथा तुषाल उर्फ सोनू साहू को नकली नोट खपाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पूरे मामले का खुलासा करते हुए बलौदाबाजर एएसपी अभिषेक सिंह ने बताया कि गिरफ्तार बदमाश तुषाल तथा भुवन के खिलाफ हत्या के आरोपी को फरार कराने का मामला दर्ज है, इनमें भुवन गांजा तस्करी तथा मारपीट के मामले में फरार आरोपी है। बदमाश पुलिस से बचने चार माह पूर्व फरारी काटने रायपुर में किराए का मकान लेकर रह रहे थे। वे रवि भवन स्थित किसी मोबाइल दुकान में काम कर रहे थे। पुलिस के अनुसार, घटना में शामिल एक अन्य बदमाश फरार है।

नकली नोट से गांजे के कारोबार की थी योजना

पूछताछ में बदमाशों ने पुलिस को बताया कि उनकी योजना बड़े पैमाने पर नकली नोट बनाकर, ओडिशा से गांजा लाकर यहां बेचने की योजना थी। इसके लिए उन्होंने एक कलर प्रिंटर खरीदा और ओरिजनल करेंसी की हूबहू कॉपी कर नकली नोट प्रिंट करने लगे।

नोट ऐसे कि कोई असल-नकल की पहचान न कर पाए

पुलिस के अनुसार, बदमाश क्षेत्र में कुछ नकली नोट बाजार में चला चुके हैं। बदमाश नोट खपाकर ये पता लगाने की कोशिश कर रहे थे कि उनके द्वारा प्रिंट किए गए नकली नोट को कोई पहचान पा रहा है या नहीं। बदमाश सौ रुपए के नकली नोट में नकली चांदी की हरी पट्टी तक लगा चुके थे, जिसे सामान्य व्यक्ति आसानी से पहचान नहीं सकता कि नोट असली है या नकली।

शहीद वीरनारायण सिंह का परिवार बलिदानी, कोर्ट ने दी थी कालापानी की सजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

स्वतंत्रता संग्राम में छत्तीसगढ़ के तीन राजवंशों ने अंग्रेजों के साथ युद्ध करते हुए खुद को न्योछावर किया था। सोनाखान के जमींदार शहीद वीरनारायण सिंह, संबलपुर के जमीदार माधो सिंह और राजगद्दी के दावेदार वीर सुरेंद्र साय ने सैकड़ों साथियों का आजादी के लिए बलिदान कर दिया था। रविवार को पत्रकारवार्ता में महासमुंद के पूर्व सांसद चुन्नीलाल साहू ने उक्त बातें कही। उन्होंने बताया कि रायपुर कोर्ट से पहली बार उन्हें कालापानी की सजा सुनाई गई थी। बलिदानी परिवार के बारे में युवा जान सकें, इसके लिए मुख्यमंत्री से मिलकर उनके जीवन संघर्ष से जुड़ी गाथा पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग की जाएगी। उन्होंने बताया कि माधो सिंह, वीरनारायण के ससुर और शहीद हटे सिंह उनके साले थे।

■ पूर्व सांसद चुन्नीलाल साहू ने पत्रकारवार्ता में दी जानकारी

उन्होंने दो बड़े अंग्रेज सैन्य अधिकारियों का वध किया। घटनाक्रम को देखते हुए माधो सिंह के पुत्र हटे सिंह एक नायक की तरह उभरे। वे छत्तीसगढ़ के पहले क्रांतिकारी थे, जिन्हें अंग्रेजों ने कालापानी की सजा देकर अंडमान की सेल्यूलर जेल में डाला था। जहां से वे कभी लौटकर नहीं आए।

पराक्रम और त्याग से आमजन अनजान : श्री साहू ने बताया कि वीरनारायण सिंह, माधो सिंह, हटे सिंह और उनके परिवार के बलिदान को अब इतिहास के पन्नों से बाहर निकालने की जरूरत है।

बढ़ी ब्रेन स्ट्रोक की शिकायत, छोटा पड़ने लगा डीकेएस का न्यूरोलॉजी विभाग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

■ क्रिटिकल केयर को वित्त की मंजूरी का इंतजार, तीन नए विभाग शुरू करने का प्रस्ताव

■ लंबा इलाज होने के कारण फुल रहता है विभाग, 30 से बढ़ाकर 50 बेड करने की योजना

हरिभूमि सरोकार

बदलती लाइफ स्टाइल के चलते ब्रेन स्ट्रोक के मरीजों की बढ़ती संख्या की वजह से डीके सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल का न्यूरोलाजी विभाग अब छोटा पड़ रहा है। उपचार अवधि लंबी होने से यहां के बिस्तर खाली नहीं मिलते, इसे ध्यान में रखते हुए क्षमता 30 से बढ़ाकर 50 किए जाने की योजना है। यहां क्रिटिकल केयर सहित चार नए विभाग भी शुरू करने का प्रस्ताव है।

करीब चार सौ बेड की क्षमता वाले डीके अस्पताल में आठ विभागों का संचालन किया जा रहा है। यहां सबसे अधिक मरीज न्यूरोलॉजी और नेफ्रोलॉजी विभाग में भर्ती हैं। पिछले कुछ समय से ब्रेन स्ट्रोक के मामले बढ़े हैं, जिसकी वजह से डीकेएस के इस विभाग में 30 बेड का वार्ड अक्सर फुल रहता है। कई बार स्थिति ऐसी होती है कि मरीजों को इलाज के लिए क्रिटिकल केयर सहित अन्य विभागों में रखना पड़ता है। मरीजों की संख्या अधिक होने से यहां की क्षमता में विस्तार जरूरी है और इसके लिए प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा जाएगा। आने वाले दिनों में यहां 50 मरीजों को भर्ती कर उपचार की सुविधा दी जाएगी। इसी तरह कोरोनाकाल में डीके अस्पताल में प्रारंभ किए गए क्रिटिकल केयर का सेटअप अलग करने वित्त विभाग से मंजूरी का इंतजार किया जा रहा है। अभी इस विभाग को इमरजेंसी मेडिसिन की मदद से संचालित किया जा रहा है। अस्पताल में मरीजों की सुविधा के विस्तार और एमसीएच का कोर्स प्रारंभ करने के लिए चार विभाग शुरू किए जाने की तैयारी चल रही है।

विस्तार की जरूरत

न्यूरोलॉजी विभाग में उपचार की प्रक्रिया लंबी होती है, इसलिए यहां बेड फुल रहते हैं। मरीजों की सुविधा के लिए बेड बढ़ाने की आवश्यकता है। यहां तीन नए विभाग और एक विभाग का अलग सेटअप बनाने की योजना भी प्रस्तावित है।

- **डॉ. हेमंत शर्मा,** उपअधीक्षक, डीके अस्पताल

ब्लड, हार्मोंस और वात रोग का इलाज

भविष्य में डीके अस्पताल में रक्त संबंधी बीमारियों की जांच के लिए हेमेटोलॉजी, हार्मोंस से संबंधी जांच के लिए एंडोक्रिनोलॉजी तथा वात रोग की वजह से होने वाले बीमारियों के इलाज के लिए रुमेटोलॉजी विभाग प्रारंभ किए जाने की योजना है। बदलते समय और भविष्य की जरूरतों के हिसाब से शासकीय सेक्टर में इन बीमारियों के उपचार की सुविधा देने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

नई बिल्डिंग की जरूरत

अस्पताल से संबंधित चिकित्सकों का कहना है कि विभागों की संख्या बढ़ाने और वहां एमसीएच कोर्स का संचालन करने के लिए ज्यादा जगह की आवश्यकता होगी। संचालित आठ विभाग और प्रशासनिक ब्लॉक के बाद यहां अतिरिक्त निर्माण की संभावना कम है। इसके लिए यहां करीब दो सौ बेड की क्षमता वाली नई बिल्डिंग बनाने की आवश्यकता होगी। पुरानी योजना के अनुसार यहां नए भवन का निर्माण भी लंबित पड़ा है।

'बकाया' पर सरकार से भरोसा मिलने के बाद मिलिंग एग्रीमेंट में तेजी, आज से बढ़ेंगे आवेदन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

■ डेढ़ हजार मिलरों ने दिया मिलिंग के लिए आवेदन

हरिभूमि फॉलोअप

छत्तीसगढ़ में राइस मिलरों और राज्य सरकार के बीच गतिरोध समाप्त करने, साढ़े चार हजार करोड़ बकाया के लिए हुई पहली वार्ता के बाद मिलरों की नाराजगी अब समाप्त हो गई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मिलरों को भरोसा दिलाया है कि कैबिनेट की अगली बैठक में बकाया पर फैसला हो जाएगा। सीएम के इस भरोसे पर मिलर अब मिलिंग के लिए आवेदन और धान उठाव के लिए एग्रीमेंट करने तैयार हो गए हैं।

अब तक करीब डेढ़ हजार आवेदन आ चुके हैं और साढ़े पांच सौ मिलरों ने एग्रीमेंट कर लिया है। छत्तीसगढ़ के राइस मिलर कस्टम मिलिंग की दो साल की बकाया राशि चार हजार करोड़ रुपए सरकार से लेने पर अड़े हुए थे। हालांकि मिलरों और सरकार के बीच हफ्तेभर पहले वार्ता का एक दौर हो चुका था, लेकिन राज्य के कई जिलों के मिलर इस समझौते को मान नहीं रहे थे। यही कारण था कि वार्ता होने के बाद भी मिलिंग के लिए आवेदन और एग्रीमेंट नहीं कर रहे थे। दो दिन पहले सरकार ने एक बार फिर मिलरों से उच्चस्तरीय वार्ता की है, इसके बाद मिलरों का विश्वास बढ़ा और वे मिलिंग के लिए तैयार हो गए हैं।

अब तक 1500 आवेदन, 550 एग्रीमेंट भी

राज्य में धान की कस्टम मिलिंग के लिए मिलरों ने अब तक 14 सौ 48 आवेदन दिए हैं। इनमें से अरवा मिलिंग करने वाले मिलरों की संख्या 601 है, जबकि उसना मिलिंग के लिए 130 आवेदन आए हैं। इनमें से 446 आवेदन का पंजीयन होना बाकी है। 268 मिलरों ने अपने दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए हैं। सरकार ने अब तक 735 आवेदनों पर अनुमति दे दी है और 540 मिलरों का एग्रीमेंट भी हो चुका है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ से केंद्र सरकार को सेंट्रल पूल के लिए 70 लाख मीट्रिक टन चावल देना है। इसमें अरवा और उसना चावल दोनों शामिल हैं।

अब कैबिनेट के फैसले पर भरोसा

मिलिंग के मामले में अब तक सबसे बड़ा पेंच चार हजार करोड़ के बकाया को लेकर ही रहा है। हालांकि पहली वार्ता के बाद सरकार की ओर से कहा गया था कि बकाया पर कैबिनेट की बैठक में फैसला किया जाएगा। पिछले सोमवार हुई कैबिनेट में बकाया पर कोई निर्णय नहीं होने की बात सामने आई है। इधर जिलों में मिलरों की नाराजगी बनी हुई थी, लेकिन इसके बाद एक बार फिर सरकार ने कहा है कि अगली बैठक में इस पर निर्णय होगा। सूत्रों के अनुसार, यह बैठक 13 दिसंबर को संभावित है। दूसरी ओर मिलरों का कहना है कि मिलरों से वार्ता के बाद विश्वास पर सहमति देकर काम शुरू करने की तैयारी की है, लेकिन कैबिनेट में ये पास होगा या नहीं, इसे लेकर संशय है।

हरिभूमि लाइव
रायपुर, सोमवार 9 दिसंबर 2024
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

लाइव इवेंट

जयस्तंभ के पास मनाएंगे बलिदान दिवस, पंडवानी की तर्ज पर गूंजेगी गाथा

रायपुर। 167 वर्ष पहले देश-प्रदेश के सपूत सोनाखान निवासी आदिवासी समाज के मालगुजार वीरनारायण सिंह ने सबसे पहले अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष का बिगुल फूंका था। इसीलिए प्रथम पंक्ति के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के रूप में उनकी पहचान बनी। अंग्रेजों ने जयस्तंभ चौक पर उन्हें सार्वजनिक फांसी की सजा दी थी, लेकिन बलिदान दिवस की परंपरा 4 वर्ष पहले शुरू की गई। यह जानकारी रविवार को पत्रकारवार्ता में राज्य आंदोलनकारी अनिल दुबे, जीपी चंद्राकर ने दी। उन्होंने बताया कि 10 दिसंबर को दोपहर 2 बजे से शाम तक कई आयोजन होंगे।

राज्य आंदोलनकारी संघ ने पत्रकारवार्ता में दी जानकारी

मोमबत्ती जलाकर देंगे श्रद्धांजलि

इस दौरान पंडवानी गायक चेतन देवांगन शहीद वीरनारायण सिंह के जीवन प्रसंगों को पंडवानी के अंदाज में पेश करेंगे। इस बार भी बलिदान दिवस का आयोजन छसपा, किसान मोर्चा, छत्तीसगढ़ी बेरोजगार संघ व छत्तीसगढ़ी महिला संघ के बैनर तले किया जाएगा। इसमें साहित्यकार, पत्रकार भी भाग लेंगे एवं शहीद वीरनारायण सिंह के संबंध में अपने विचार रखेंगे। शाम 6 बजे जयस्तंभ चौक पर मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि देने के बाद इस आयोजन का समापन किया जाएगा।

कला उत्थान महोत्सव के पहले दिन राउत नाचा, पंडवानी और पंथी की प्रस्तुति

पंथी नृत्य में 25 फीट ऊंचा पिरामिड बनाकर दिखाए करतब, राउत नाचा में गड़वा बाजा और दोहों की गूंज

छत्तीसगढ़ राज्य के विलुप्त लोक व जनजातीय कला महोत्सव के पहले दिन कलाकारों ने मुक्ताकाशी मंच पर पंथी नृत्य से लोकरंग का मंच सजाया, जिसने दर्शकों को भी झूमने पर मजबूर कर दिया। सन्ना ना नन्ना, ओ नन्ना मोरे ललना.. गाने की धुन के साथ मंच पर कलाकार पहुंचे और नृत्य के जरिए बाबा गुरु घासीदास की आराधना की।

रायपुर। पांरपरिक वाद्ययंत्रों की धुन पर कलाकारों ने जोशीले अंदाज के साथ पंथी नृत्य पेश किया, जिससे कार्यक्रम स्थल पर माहौल बन गया। इस दौरान जब 10 कलाकारों ने मिलकर 25 फीट ऊंचा पिरामिड बनाकर करतब दिखाना शुरू किया तो दीर्घा में बैठे दर्शक आश्चर्यचकित रह गए। नृत्य में कलाकारों की ऊर्जा देखते ही बन रही थी। 30 मिनट की इस प्रस्तुति से सभी को खूब लुभाया और बाबा गुरु घासीदास के आदर्शों को भी नृत्य में पिरोया। यह प्रस्तुति मंच पर सतनाम भजन हेमदास कुर्रे और उनके साथियों ने दी। लोकनाट्य नाचा की भतीजा पार्टी द्वारा रजित चक्रवर्ती की टीम द्वारा प्रस्तुति दी गई।

पंडवानी ने दिलाई महाभारत की याद

विलुप्त लोक व जनजातीय कला में इंदिराबाई जांगड़े ने पंडवानी की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिसमें दर्शकों को महाभारत की रोचक कथा सुनने को मिली। वाद्ययंत्रों के साथ कलाकारों ने घटनाओं को लोगों के समक्ष प्रस्तुत किया तो हर कोई सुनकर तालियां बजाने लगा। इस दौरान कलाकार ने बताया कि पंडवानी छत्तीसगढ़ का एकल लोकनाट्य है। मंच पर उनकी इस प्रस्तुति और व्याख्यान को सुनकर दर्शकों को सामने महाभारत के युद्ध का परिदृश्य एकाएक सामने आने लगा। उनकी इस ओजपूर्ण और वीर रस से भरपूर पंडवानी से दर्शक भी बेहद आनंदित हुए।

मुरली की तान और दोहों की गूंज

कार्यक्रम में दूसरी प्रस्तुति अभनपुर से आए चंद्रहास साहू के टीम दी। प्रस्तुति देने जब कलाकार गड़वा बाजा के साथ पहुंचे तो दर्शकों ने तालियों से उनका स्वागत किया। कार्यक्रम की प्रस्तुति दोहे से शुरू हुई, जिसके बाद कलाकारों ने अपने नृत्य से लोककला को एक बार फिर से मंच पर जीवंत कर दिया। दलों के कलाकारों ने रंगबिरंगे कपड़ों पर कौड़ियों से जड़ी जैकेट और अलग-अलग तरह की चमकदार रंगीन टोपियां पहनी थीं, जो काफी आकर्षक लग रही थीं। 30 मिनट की प्रस्तुति में दोहों की गूंज हर 4 से 5 मिनट के बाद सुनाई देती रही। इस दौरान लोगों को राउत नाचा में भगवान श्रीकृष्णलीला भी देखने को मिली। नृत्य की बीच मुरली की ध्वनि ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

आज कमार जनजाति नृत्य की प्रस्तुति

संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार अंतर्गत दक्षिण मध्य सांस्कृतिक केंद्र नागपुर और संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ शासन छत्तीसगढ़ राज्य के विलुप्त लोक एवं जनजातीय कलाओं की तीन दिन प्रस्तुति होगी। पहले दिन शुभारंभ पद्मश्री मदन चौहान के सूफी गायन द्वारा किया गया। इस दौरान दक्षिण मध्य सांस्कृतिक केंद्र नागपुर के राजेश खडसे, नोडल अधिकारी युगल तिवारी उपस्थित रहे। आज कमार जनजाति, सुआ नृत्य, भरथरी गीत, बांस गीत और आदिवासी नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी।

सिटी इवेंट

पेंटिंग से व्यक्त की देशभक्ति की भावना शहीदों के पराक्रम ने किया प्रभावित

रायपुर। महाकोशल कला परिषद और लॉयन्स-लियो क्लब के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान शालेय, व्यावसायिक, महाविद्यालय और महिला वर्ग जैसे चार वर्गों में स्पर्धा को विभाजित किया गया। चित्रकला का मुख्य विषय तिरंगे का सम्मान मेरा कर्तव्य, हम राष्ट्र के लिए और सुरक्षित भारत रखा गया। गणतंत्र दिवस से पूर्व देश के वीर जवानों को याद करने के उद्देश्य से एक दिवसीय चित्रकला स्पर्धा का आयोजन किया गया, जिसमें कलाकारों द्वारा शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। देश के वीर शहीद जवान, स्वच्छता अभियान, तिरंगे झंडे में बने अशोक चक्र प्रतीक चिन्ह, देश में महिलाओं के शोषण के चित्र तैयार किए गए, जिसमें तिरंगे में अशोक चक्र का दृश्य आकर्षण का केंद्र रहा, इसमें चक्र पर 24 तिलियों पर समाज के आठ विशेष व्यक्तियों का जिक्र किया गया, जिनमें चिकित्सक, किसान, सैनिक, विद्यार्थी, युवा, संविधान जैसे अनेक विषयों को शामिल किया गया था।

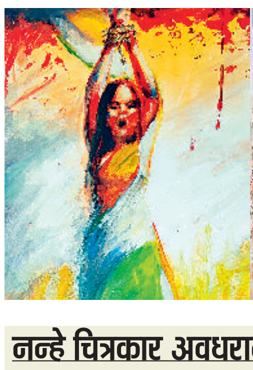

नन्हे चित्रकार अवधराम ने मारी बाजी

निशुल्क चित्रकला प्रतियोगिता में सौ से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसमें स्कूली छात्रों की संख्या सबसे अधिक देखने को मिली। शालेय वर्ग में प्रथम संजना जैन, द्वितीय अर्णव चोपकर, तृतीय विजेता सौम्या चौधरी रहे। व्यावसायिक वर्ग में प्रथम अवध राम कंवर, द्वितीय कंचन आडिल, तृतीय पुरस्कार भेवेंद देवांगन को दिया गया। महाविद्यालयीन वर्ग में पहला उत्कर्ष पटेल, दूसरा आलोक पटेल और तीसरा स्थान प्रियंका कोशले ने हासिल किया। महिला वर्ग में प्रथम पुरस्कार जयश्री विश्वास, द्वितीय प्रार्थना वर्मा, तृतीय रीमा बाबू को दिया गया। स्पर्धा के निर्णायक डॉ. प्रवीण शर्मा, डॉ. निवेदिता सैनी और शिखर शर्मा रहे।

विद्यार्थियों ने देखी 28 से अधिक प्रजातियों की जीवनशैली शेर और भालू के प्राकृतिक आवास ने किया रोमांचित

रायपुर। नंदनवन जंगल सफारी के वन्यजीवों की जीवनशैली से लोगों को जोड़ने लगातार प्राकृतिक दर्शन का आयोजन किया जा रहा है। इस साल अब तक 150 से अधिक स्कूलों और कॉलेजों के 13 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया है। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को पर्यावरण और वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूक कर उन्हें प्रकृति का महत्व समझाया है। सफारी भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने शेर, बाघ, भालू और शाकाहारी जीवों को उनके प्राकृतिक आवास में देखा। यह अनुभव न केवल रोमांचक था, बल्कि विद्यार्थियों को इन प्रजातियों के संरक्षण के महत्व को समझने में भी मददगार साबित हुआ। चिड़ियाघर दौरे में विद्यार्थियों ने 28 से अधिक प्रजातियों का अवलोकन किया। इनमें मांसाहारी, सरीसृप और शाकाहारी शामिल थे। विद्यार्थियों को इन प्रजातियों की जीवनशैली, भोजन और पर्यावरणीय भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। यह क्षेत्र विद्यार्थियों को जैव विविधता के महत्व को समझाने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है।

तितलियों की जैव विविधता को करीब से देखा

प्रकृति पथ, नेचर ट्रेल पर विद्यार्थियों ने स्थानीय पौधों, तितलियों और अन्य जैव विविधता को करीब से देखा तथा उनके महत्व को समझा। प्रकृति पथ की गतिविधियां न केवल शिक्षाप्रद थीं, बल्कि विद्यार्थियों के लिए अत्यंत रोमांचक भी साबित होती हैं। नंदनवन जंगल सफारी के संचालक धम्मशील गणवीर ने कहा, प्राकृतिक दर्शन कार्यक्रम विद्यार्थियों को वन्यजीवों और पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ उन्हें प्रकृति से जोड़ने का अवसर प्रदान करता है। हमारा उद्देश्य है कि यह कार्यक्रम और अधिक व्यापक हो, ताकि ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थी लाभान्वित हो सकें। विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम को बेहद शिक्षाप्रद और प्रेरणादायक बताया।

प्रौद्योगिकी से लेकर विज्ञान तक गणित उपयोगी

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा 'राष्ट्रीय गणित दिवस' पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दो दिवसीय व्याख्यान का समापन रविवार को हुआ, जहां स्कूल और महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। एनआईटी के निदेशक डॉ. एबी सोनी ने संबोधन में कहा, प्रत्येक वर्ष गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती 22 दिसंबर को मनाई जाती है। इस उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा छात्राओं के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रोजमर्रा की जिंदगी में गणित की महत्वपूर्ण भूमिका है, जो प्रौद्योगिकी से लेकर विज्ञान तक सभी क्षेत्रों के लिए उपयोगी है। इस दौरान डीन अकादमिक डॉ. श्रीश वर्मा, गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. देबाशीष मिश्रा, डॉ. राजेश डोरिया, डॉ. नीरज मन्हास और डॉ. रंजन कुमार दास उपस्थित रहे।

पोस्टर मेकिंग, प्रोजेक्ट प्रेजेंटेशन स्पर्धा

कार्यक्रम में कनाडा के क्वीन्स विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. राम मूर्ति ने 'द इंटीग्रल दैट चेंज्ड द वर्ल्ड' विषय पर व्याख्यान दिया। इसमें वैश्विक गणित और इसके व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर एकल गणितीय समीकरण के गहन प्रभाव समझाने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर आकर्षक प्रतियोगिताएं एवं इंटरैक्टिव सत्र का आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों को गणितीय प्रतिभा के लिए प्रेरित करना रहा। आयोजन में कक्षा 6 से 9 के लिए फन विद पजल्स और कक्षा 10वीं से 12वीं के लिए प्रोजेक्ट प्रेजेंटेशन और महाविद्यालय के छात्रों के लिए पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें केशव अग्रवाल, लुकिता देशमुख, जाह्नवी, कृतेश धानुका ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

रंग मंदिर में गोविंद लीला कला कौशल की अंतिम दिन भी बेजोड़ प्रस्तुति

बॉलिवुड नृत्य के साथ भारतनाट्यम ने बटोरी तालियां

रायपुर। रंग मंदिर में गोविंद लीला कला कौशल द्वारा कलावंत-3.0 का आयोजन किया गया। इस नेशनल लेवल प्रतियोगिता में शास्त्रीय नृत्य व सुगम संगीत के धुरंधरों ने अंतिम दिन भी बेजोड़ प्रस्तुति देते हुए वाहवाही लूटी। डांस एंड म्यूजिक काम्पिटिशन के अंतिम दिन यानी रविवार को सौ से ज्यादा प्रतिभागियों ने कला का भी प्रदर्शन किया। इनका उत्साहवर्धन करने उनके परिवार समेत शहर के कलाप्रेमी भी दर्शक दीर्घा में मौजूद रहे। इनके सामने मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, दिल्ली के अलावा दुर्ग, भिलाई, रायपुर, बिलासपुर के तीन सौ प्रतिभागियों ने तीन दिनों में प्रस्तुति दी। कथक, भरतनाट्यम, ओडिसी के साथ कुचीपुड़ी, सेमी क्लासिकल और बॉलीवुड आधारित नृत्य के साथ गायन-वादन के क्रम में सुर-ताल के साथ नृत्य तथा संगीत से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया।

देर-रात तक चलता रहा प्रोग्राम

दिल्ली से आईं कथक नृत्यांगना उदितो शर्मा, मंजरी शर्मा भोपाल से आई हैं। वहीं उदित नारायण तिवारी गायन के लिए निर्णायक रहे। डांस पारखी वृषांक रहंगटे मुंबई से आए हैं। संस्था के अध्यक्ष संतोष तिवारी, उपाध्यक्ष मनोज कुमार साहू, सचिव किरण साहू और कोषाध्यक्ष ज्योति तिवारी ने बताया कि प्रतिभाओं को मंच देने के लिए यह आयोजन इस साल भी परंपरा के तहत ही किया गया। इसमें अलग-अलग विधा में अच्छा प्रदर्शन करने वालों की घोषणा के बाद उनकी हौसला अफजाई भी की जाएगी। पारदर्शिता रखने के लिए निर्णायक बाहर से बुलाए गए।

आराधना

5100 दीपों से जगमगाया दत्तात्रेय मंदिर ब्राह्मणों की उपस्थिति में विशेष पूजा

रायपुर। पुरानी बस्ती स्थित दत्तात्रेय मंदिर में नौ दिवसीय जयंती महोत्सव का शुभारंभ किया गया। रविवार को सुबह 7 बजे कलश स्थापना एवं गुरुचरित पाठ के साथ जयंती महोत्सव प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर दत्तात्रेय भगवान की गुरु महिमा का पठन पं. सुबोध मनोहर पांडे द्वारा मंदिर परिसर में रोजाना सुबह 7 बजे से किया जाएगा। भगवान दत्तात्रेय को ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों देवताओं का अवतार स्वरूप माना जाता है, जिनकी विशेष पूजा जयंती अवसर पर की जाती है।

14 दिसंबर को जन्मोत्सव

नौ दिवसीय समारोह के पहले दिन 5100 दीपक प्रज्ज्वलित कर दीपोत्सव मनाया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में शहरवासी मंदिर परिसर में नजर आए। जहां भगवान दत्तात्रेय का जयकारे गूंजते रहे। श्री दत्तात्रेय मंदिर ट्रस्ट ब्रह्मपुरी के अध्यक्ष हरिवल्लभ अग्रवाल ने बताया, जयंती समारोह के अंतर्गत 14 दिसंबर को जन्म समारोह और 15 दिसंबर को भोग भंडारा का आयोजन किया गया है, जिसमें भगवान का जन्मोत्सव मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगा। जन्म अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना कर महिलाओं व ब्राह्मणों की उपस्थिति में कार्य किया जाता है। इसमें सुबह 11 बजे गुरुचरित, ग्रंथ का पारायण, दोपहर 12 बजे अभिषेक, सत्यनारायण पूजन, हवन व आरती, संध्या 5 बजे शुभ मुहूर्त में 56 भोग प्रसादी, शाम 6 बजे जन्मोत्सव मनाया जाएगा। इस दौरान आतिशबाजी मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगी, जहां आतिशबाजी समूह के सदस्यों द्वारा करतब दिखाए जाएंगे।

4 साल में छत्तीसगढ़ के पर्यटन रिसॉर्ट में पहुंचे पर्यटकों के आंकड़ों का लेखा-जोखा

छग का नियाग्रा फॉल 'चित्रकोट' अव्वल पहुंचे 20 हजार देशी-विदेशी पर्यटक

" छत्तीसगढ़ का पर्यटन अब देश के साथ विदेश में भी लोगों को आकर्षित कर रहा है। विगत चार वर्षों में पर्यटकों को छत्तीसगढ़ के वाटरफॉल और पहाड़ों ने अपनी ओर अधिक लुभाया है। इस साल भी बारिश से लेकर ठंड तक सर्वाधिक पर्यटक पहुंच रहे हैं। इसमें प्रदेश के साथ दूसरे राज्यों समेत विदेशी सैलानी भी शामिल हैं।

रायपुर। पर्यटन विभाग छत्तीसगढ़ के पर्यटक स्थलों के बारे में जानकारी देने राष्ट्रीय स्तर पर कवायद कर रहा है। हर साल दर्जनभर से अधिक राष्ट्रीय कार्यक्रमों के जरिए छत्तीसगढ़ का पर्यटन देशभर में पहुंच रहा है। चार साल में जुलाई तक 81 हजार 957 पर्यटकों ने छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के रिसॉर्ट में रुककर छत्तीसगढ़ की संस्कृति को करीब से देखा है। पर्यटन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी पर्यटकों को छत्तीसगढ़ की आबोहवा खूब पसंद आने लगी है। इस वजह से बीते पांच सालों में फ्रांस, अमेरिका और यूरोप से बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक बस्तर, मैनपाट समेत धार्मिक स्थलों में पहुंचे हैं। इसके अलावा झारखंड, ओडिशा और मध्यप्रदेश से भी पर्यटक छत्तीसगढ़ पहुंचे हैं। पर्यटन विभाग के रिसॉर्ट में महानगरों की तर्ज पर 4-5 स्टार जैसी सुविधा पर्यटकों को मिल रही है।

पर्यटकों से राजस्व में बढ़ोतरी

पर्यटन विभाग को चार साल में पर्यटकों से 11 करोड़ 68 लाख से अभी अधिक राजस्व प्राप्त हुआ है। विभाग द्वारा पर्यटकों को आकर्षित करने और छत्तीसगढ़ की संस्कृति के बारे में बताने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से हर रोज पोस्ट कर जानकारी दी जाती है। साल के बारहों महीने बार नवापारा और कोंडागांव, चित्रकूट और कुरदर क्षेत्र में सर्वाधिक पर्यटक पहुंचते हैं। मांग अधिक होने से यहां रात ठहरने के लिए लोगों को एडवांस बुकिंग करानी पड़ती है। विभाग के मुताबिक, 13 पर्यटन रिसॉर्ट में इन्हीं जगहों से अधिक कमाई होती है। इसलिए विभाग समय-समय पर पर्यटकों के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित करता है, ताकि पर्यटक छत्तीसगढ़ की संस्कृति को जान सकें और जुड़ सकें।

फ्रांस और यूरोप से पहुंच रहे विदेशी पर्यटक

हिल स्टेशनों में मैनपाट, चित्रकोट व चिल्फी घाटी स्थित सरोदा दादर में विदेशी पर्यटकों की संख्या बीते कुछ सालों से बढ़ गई है। यहां पर्यटन विभाग के रिसॉर्ट में हर साल दर्जनभर विदेशी पर्यटक पहुंच रहे हैं। यहां फ्रांस और यूरोप से भी पर्यटक पहुंचे हैं। इन हिल स्टेशनों की खास बात ये है कि ये रिसॉर्ट घाटी के ऊपर, पहाड़ के बीच और आदिवासी गांवों में बनाए गए हैं। यहां पहुंच रहे लोग प्राकृतिक सौंदर्य को करीब से देख पाते हैं। इसके अलावा आदिवासी जनजीवन और संस्कृति से रूबरू हो रहे हैं। ठंड और बारिश के दिनों में यहां बादल छाए होते हैं, जो आकर्षण का केंद्र होते हैं।

यह आंकड़े जुलाई 2024 तक हैं

वर्ष	सैला टूरिस्ट रिसॉर्ट मैनपाट	बैगा इथनिक रिसॉर्ट कवर्धा	सोनभद्रा अमरकंटक	हरेली इको बार नवापारा	धनमती रिसॉर्ट चित्रकोट	सतरंगा बोर्ड क्लब एंड रिसॉर्ट कोरबा
2021	1480	4681	866	2986	4284	1272
2022	1520	3966	703	2981	4921	1291
2023	1592	3454	412	2788	4381	944
2024	996	1798	232	1776	1612	554

गोदड़ीवाला धाम में बरसी महोत्सव का आगाज, नारी शक्ति ने जगाई अलख

रायपुर। हर साल की तरह ही देवपुरी स्थित गोदड़ीवाला धाम में ब्रह्म स्वरूप संत बाबा गेलाराम साहब का बरसी महोत्सव भक्तिभाव से मनाया जा रहा है। रविवार को सुबह 10 बजे हवन-पूजन और 11 बजे झंडा वंदन किया गया। वहीं दोपहर 1 बजे अखंड पाठ साहब का आगाज महंत अम्मा मीरा देवी एवं संतों की अगवाई में शुरू हुआ। समाजजनों द्वारा यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए मेडिकल कैंप भी शुरू किया गया है, जिसमें थैलेसीमिया जांच 154 लोगों ने कराई। दो सौ लोगों ने आयुष्मान कार्ड शिविर में आकर बनवाए। इसमें 70 साल से अधिक उम्र वालों के साथ ही सामान्य आयुवर्ग के लोगों का भी आयुष्मान कार्ड बनाया गया। इसमें विशेष सहयोग ललित जैसिंघ ने दिया।

शाम को सत्संग और भजन

सेवादारी हरि इसरानी, अमर गिदवानी और सतीश थोरानी ने बताया कि शाम 5 से 7 बजे तक महिला मंडल का सत्संग हुआ। इसमें महिलाओं ने नारी धर्म और परिवार के दायित्वों का निर्वहन किस तरह से होना चाहिए, इसकी जानकारी साझा की। इसके बाद शाम 7 से रात 8 बजे तक आरती सत्संग का क्रम चला, इसमें संतों ने शिक्षा और संस्कार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बाबा गेलाराम के जीवन और आदर्शों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। नारी शक्ति की प्रस्तुति 9 से 10 बजे के बीच दी गई। महाराष्ट्र जलगांव की 60 महिलाओं, बच्चों द्वारा इसमें नारी शक्ति की अलख जगाते हुए महिलाओं ने दिखाने का प्रयास किया कि वे समाज की अहम धुरी हैं। उनके योगदान के बिना परिवार, समाज और राष्ट्र का निर्माण संभव नहीं।

बच्चों ने लिया प्रतिदिन आरती का संकल्प, सीखी मंगल दीपक की विधि

रायपुर। आचार्य भगवंत श्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वर की प्रेरणा से प्रति रविवार को बच्चों के मन मस्तिष्क में सुसंस्कार के बीजारोपण करने श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर में रविवार को बच्चों को परमात्मा, दादा गुरुदेव की आरती व मंगल दीपक की संपूर्ण विधि सिखाई गई। अनुमोदना स्वरूप बच्चों को पुरस्कृत किया जाता है। श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद, महासचिव महेंद्र कोचर ने बताया कि इस रविवारीय सत्र में बच्चों को प्रभु, दादा गुरुदेव की आरती व मंगल दीपक के दोहे, दोहों की राग आदि की जानकारी दी गई। जैन मंदिरों में प्रतिदिन प्रातः व संध्याकाल में आरती होती है। बच्चों ने प्रतिदिन आरती में भाग लेने का संकल्प लिया। प्रत्येक रविवार को प्रातः से ही बच्चे पूजन के वस्त्र जैन संस्कृति के परिचायक धोती दुपट्टा पहनकर आते हैं। ट्रस्ट द्वारा भावी पीढ़ी को संस्कारित करने रात्रि धार्मिक पाठशाला का भी संचालित हो रही है।

अमृतसर-मनाली में प्राकृतिक अध्ययन करेगी राज्य स्तरीय स्काउट-गाइड टीम

रायपुर। राज्य मुख्यालय के तत्वावधान में राज्य स्तरीय हाईक प्रोग्राम, प्राकृतिक अध्ययन के लिए भारत स्काउट-गाइड छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त डॉ. सोमनाथ यादव, राज्य सचिव कैलास सोनी व कोषाध्यक्ष मुरली शर्मा, विजय यादव द्वारा रायपुर रेलवे स्टेशन में हरी झंडी दिखाकर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस में रवाना किया गया। डॉ. सोमनाथ यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ के

समस्त स्काउटर गाइडर को अनुशासन और सेवा के साथ छत्तीसगढ़ की संस्कृति को ध्यान में रखते हुए अमृतसर, मनाली प्राकृतिक अध्ययन करना है। उन्होंने अपने साथ दूसरों को भी जीवन में सही राह पर चलने, सेवाभाव प्रेरित करने प्रोत्साहित किया। मार्गदर्शन राज्य सचिव कैलाश सोनी, हाईक प्रभारी सांतनु कुर्रे, एसओसी स्काउट विजय यादव के साथ राज्य मुख्यालय की टीम द्वारा किया जा रहा है।

बालाजी विद्या मंदिर के कला उत्सव में विद्यार्थियों ने दी प्रस्तुति

पहाड़ी डांस पर झूमे स्टूडेंट्स, रिमिक्स गीतों ने बांधा समां

रायपुर। फोक गीत-संगीत से देवेंद्र नगर स्थित बालाजी विद्या मंदिर रविवार की रात गुलजार रहा। यहां हर साल की तरह ही कला उत्सव की कड़ी में विद्यार्थियों को मंच देने की जिम्मेदारी विद्यालय के अध्यक्ष जी. स्वामी और प्राचार्य डॉ. फ्रेनी जयप्रकाश ने निभाई। एक सप्ताह से चल रही तैयारी का असर मंच पर भी देखने को मिला। तेलुगु गीतों के साथ ही पंजाबी, फिल्मी और छत्तीसगढ़ी गीतों पर भी छात्र-छात्राओं ने एकल और ग्रुप डांस पेश किया। उत्साहवर्धन करने दर्शक दीर्घा में उनके पालक मौजूद थे। उन्होंने मोबाइल से हर लम्हे को कैद किया। यह क्रम रात 10 बजे तक चलता रहा।

शिक्षकों ने संभाली कमान

शाम साढ़े 5 बजे अतिथि स्वागत से शुरू हुआ कला उत्सव का क्रम जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा था, दर्शकों में उत्साह की लहर भी तेज हो रही थी। प्रोग्राम टाइम टू टाइम चले, इसके लिए शिक्षकों ने पुख्ता तैयारी करने के साथ उसे आगे बढ़ाने की कमान भी खुद संभाली। इसमें 11वीं, 12वीं के विद्यार्थी भी सहयोग दे रहे थे। बाहरी लोग इसमें किसी प्रकार का व्यवधान न डाल सकें, इसका भी एंट्री के समय ध्यान रखने के लिए स्कूल प्रबंधन ने जिम्मेदारी तय की थी। इससे प्रोग्राम तय टाइमिंग के साथ आगे भी बढ़ रहा था।

सिटी स्पोर्ट्स

कूच बेहार ट्रॉफी में छत्तीसगढ़ के सूर्यकांत - फैज की शानदार पारी

रायपुर। बी सी सी आई द्वारा मेंस अंडर 19 कूच बेहार ट्रॉफी 2024 का आयोजन 06 नवंबर से जारी है। जिसमें छत्तीसगढ़ की टीम का पांचवा चार दिवसीय मैच (06 दिसंबर-09 दिसंबर) हैदराबाद में हैदराबाद अंडर-19 टीम के विरुद्ध खेला गया। तीसरे दिन छत्तीसगढ़ अंडर-19 ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अपनी पहली पारी में 100.5 ओवरों में 10 विकेट खोकर 317 रन बनाए। हैदराबाद की ओर से आरोन जार्ज ने शानदार 87 रन बनाए। उनके अतिरिक्त सिद्धार्थ ने 45 रन तथा श्रिनिकेत ने 37 रन बनाये। छत्तीसगढ़ की ओर से विकल्प तिवारी ने 5 विकेट तथा कृष्णा टांक ने 2 विकेट प्राप्त किये। छत्तीसगढ़ ने अपनी पहली पारी में 64.4 ओवरों में 10 विकेट के नुकसान पर 188 रन ही बनाये। छत्तीसगढ़ की ओर से विवेक यादव ने 37 रन तथा विकल्प तिवारी ने 31 रन बनाये। वहीं हैदराबाद की ओर से यशवीर ने 4 विकेट प्राप्त किये। हैदराबाद ने अपनी दूसरी पारी में 65.3 ओवरों में 10 विकेट खोकर 232 रन बनाए। हैदराबाद की ओर से अंलकृत ने 62 रन तथा सचित ने 35 रनों का योगदान दिया। वहीं छत्तीसगढ़ की ओर से सूर्यकांत तिवारी तथा फैज खान ने 3-3 विकेट प्राप्त किए। 362 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुये, तिसरे दिन की समाप्ति तक छत्तीसगढ़ ने अपनी दूसरी पारी में 36 ओवरों में 1 विकेट खोकर 136 रन बना लिए है। छत्तीसगढ़ की ओर से प्रथम जाचक ने नाबाद 83 रन तथा धनंजय नायक ने नाबाद 35 रन बनाये। तीसरे दिन की समाप्ति तक हैदराबाद 226 रनों से आगे है।

सिख प्रीमियर लीग में जीकेएस रायपुर और तारु सिंह फाउंडेशन की जीत

रायपुर। 16 वीं सिख प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के अंतर्गत रविवार को रोमांचक मुकाबले हुए। पहले मैच में जीकेएस रायपुर की टीम ने शहीद जसजीत इलेवन कश्मीर को 3 विकेट से पराजित कर जीत हासिल की। जीकेएस के अर्जुन सिंह को 3 विकेट लेने व 18 रन बनाने के कारण प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। दूसरे मैच में शहीद भाई तारु सिंह फाउंडेशन छत्तीसगढ़ ने 93 रन के विशाल अंतर से सिंह इलेवन पलपोरा कश्मीर को हराया। इस टीम के किवनूर सिंह छाबड़ा को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार अतिथियों ने प्रदान किया। इस मैच के अतिथि गुरप्रीत सिंग बांभरा, प्रभजोत सिंह सोनी (चण्डीगढ़), लखविंदर सिंह लकी, बलराज सिंह व हरविंदर सिंह थे। पहले बल्लेबाजी करते हुए शहीद जसजीत इलेवन कश्मीर की टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 156 रन बनाए। गगनजीत सिंह व गगनदीप ने 35-35 रन बनाये। 22 रन बनाकर मनदीप नॉट आउट रहे। जीकेएस की ओर से अर्जुन सिंह ने 4 ओवर में 22 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। हरजीत व विक्रम ने 2-2 विकेट लिए। जीकेएस रायपुर की टीम ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए जीत का लक्ष्य 15.5 ओवर में ही 158 रन बनाकर पा लिया। उन्होने 7 विकेट ही गंवाए। सर्वाधिक 45 रन (27 गेंद) बनाने वाले परविंदर सिंह नॉट आउट रहे। कश्मीर की ओर से गुरदीप व भूपिंदर ने 3-3 विकेट लिए। विकेट कीपर राज ने 35 रन व जस्सी वीर ने 23 रन बनाये। जीकेएस के अर्जुन सिंह को 3 विकेट लेने व 18 रन बनाने के कारण प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। पहले मैच के अतिथि प्रीतपाल सिंह चंडोक, राजिंदर सिंह भसीन, बलदेव सिंह भसीन, जेएस बांभरा व गुरुबख्श सिंह थे।

दूसरे मैच में इस टूर्नामेंट का अब तक सर्वाधिक रन शहीद भाई तारु सिंह फाउंडेशन की टीम ने 20 ओवर खेलकर 231 रन बनाया जबकि उन्होने केवल 4 विकेट ही गंवाए। 8 चौकों और 1 छक्के की मदद से सबसे ज्यादा रन 64 (35 गेंद) किवनूर सिंह छाबड़ा ने बनाया। मनदीप ने 46, रणदीप ने 40 और राजबीर ने 38 रन की पारी खेली। अवतार सिंह ने 2, हरविंदर सिंह ने 1 विकेट लिए। सिंह इलेवन पलपोरा की टीम 9 विकेट खोकर 139 रन से आगे नहीं बढ़ पायी। केवल जसविंदर सिंह ही मुकाबला करते दिखे और उन्होने 50 रन (37 गेंद) बनाए। अगमजोत सिंह, रणदीप सिंह व गगनदीप ने 2-2 विकेट चटकाए। 64 रन बनाने के साथ एक विकेट लेने वाले किवनूर सिंह छाबड़ा को मैन ऑफ द मैच के पुरस्कार से नवाजा गया।

● नौजवान अपनी जीवनशैली में बदलाव कर पा सकते हैं बेहतर सेहत

कम उम्र से बना लें ये आदतें तो किडनी की बीमारियां रहेंगी दूर, इन बातों का रखें ध्यान

लाइफस्टाइल और आहार की गड़बड़ी के कारण दुनियाभर में कई प्रकार की बीमारियां बढ़ती जा रही हैं। डायबिटीज और हार्ट की समस्या के बाद शरीर के जिन अंगों को सबसे ज्यादा प्रभावित पाया जा रहा है, उनमें किडनी और लिवर की बीमारियां सबसे ज्यादा हैं। डायबिटीज और उच्च रक्तचाप को क्रोनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) का सबसे आम कारण माना जाता है। जिस तरह से कम उम्र के लोग भी डायबिटीज और ब्लड प्रेशर का शिकार हो रहे हैं उसने 30 से पहले की आयु में किडनी की बीमारियों के विकसित होने का खतरा भी काफी बढ़ा दिया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, किडनी की बीमारियों के कारण स्वास्थ्य क्षेत्र पर अतिरिक्त दबाव बढ़ता जा रहा है, इसलिए 20 की उम्र से ही कुछ आदतें बना लेना सभी के लिए जरूरी है। सक्रिय जीवन शैली और पौष्टिक आहार के सेवन से किडनी की समस्याओं को रोकने में मदद मिल सकती है।

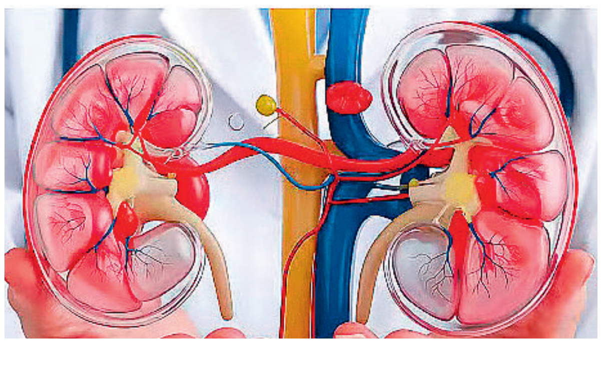

बहुत महत्वपूर्ण है किडनी की सेहत

हमारी किडनी मुट्ठी के आकार का अंग हैं जो पसलियों के नीचे और रीढ़ की हड्डी के दोनों तरफ स्थित होती हैं। किडनी हमारे रक्त से अपशिष्ट उत्पादों, अतिरिक्त पानी और अन्य अशुद्धियों को छानती है, जिससे रक्त साफ रहता है। ये अपशिष्ट उत्पाद आपके मूत्राशय में जमा हो जाते हैं और बाद में मूत्र के माध्यम से बाहर निकल जाते हैं। इसके अलावा, किडनी हमारे शरीर में पीएच, सोडियम और पोटेशियम के स्तर को नियंत्रित करने का भी काम करती है। यही कारण है कि किडनी को स्वस्थ्य को बनाए रखना आपके समग्र स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। आइए जानते हैं कि कम उम्र से ही किन आदतों का पालन करके किडनी से संबंधित बीमारियों के खतरे को कम किया जा सकता है?

ब्लड प्रेशर और शुगर को करें कंट्रोल

ब्लड प्रेशर और शुगर दोनों का बढ़ना सेहत के लिए बहुत हानिकारक है। इससे किडनी डैमेज होने का खतरा बढ़ जाता है। जब आपके शरीर की कोशिकाएं रक्त में मौजूद ग्लूकोज (शर्करा) का उपयोग नहीं कर पाती हैं, तो किडनी को रक्त छानने के लिए अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ती है। इसी तरह से हाई ब्लड प्रेशर भी किडनी की क्षति का कारण बन सकता है। किडनी को स्वस्थ और रोग मुक्त रखने के लिए कम उम्र से ही ब्लड प्रेशर और शुगर को कंट्रोल रखना जरूरी है।

संतुलित आहार का करें सेवन

संतुलित और पौष्टिक आहार का सेवन किडनी और शरीर के सभी अंगों को स्वस्थ रखने में मदद करता है। सोडियम, प्रोसेस्ड मीट जैसी चीजें किडनी को नुकसान पहुंचाती हैं। हरी सब्जियां-फल, साबुत अनाज का सेवन करें। किडनी को स्वस्थ रखने के लिए सबसे जरूरी है भरपूर मात्रा में पानी पीते रहना। पानी पीते रहने से किडनी स्वस्थ रहती है। ताजी चीजों को आहार में अधिक शामिल करें जिसमें स्वाभाविक रूप से सोडियम कम हो- जैसे कि फूलगोभी, ब्लूबेरी, मछली, साबुत अनाज।

धूम्रपान से बनाएं दूरी

धूम्रपान आपके शरीर की रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाता है। इससे आपके पूरे शरीर और किडनी में रक्त का प्रवाह धीमा हो जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने पाया कि धूम्रपान करने से आप में किडनी कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है। यदि आप धूम्रपान करते हैं और धूम्रपान करना बंद कर देते हैं, तो आपका जोखिम कम हो सकता है।

आपका दर्द कहीं 'सायटिका' तो नहीं, जानें लक्षण और उपाय

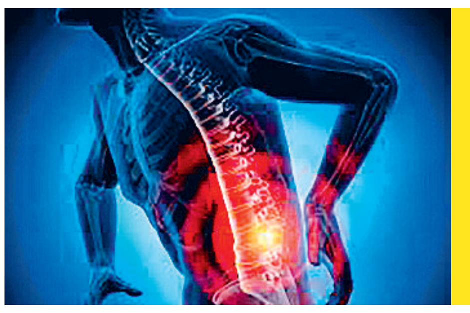

सायटिका नर्व पीठ के पिछले हिस्से से शुरू होती है और प्रत्येक पैर के पीछे तक जाती है। यह नर्व घुटने के निचले और पैर के पिछले हिस्सों को नियंत्रित करती है। इन नसों में जहां-जहां सूजन होती है, वहां-वहां दर्द होता है। अक्सर महिलाओं को कमर में दर्द होता है, जिसको वे नजरअंदाज कर देती हैं। लेकिन कई बार यह किसी गंभीर समस्या का संकेत भी हो सकता है। शरीर का दर्द कई बार असहनीय होता है, लेकिन महिलाएं इसे नजरअंदाज कर देती हैं। कई बार शरीर का यह भयंकर दर्द 'सायटिका' हो सकता है। वैसे तो सायटिका एक सामान्य समस्या है, लेकिन इसे गंभीरता से लेना जरूरी है, क्योंकि इसमें पैर और लोअर बैक सुन्न पड़ सकते हैं और आपको कमजोरी महसूस हो सकती है। पैरों में दर्द या सायटिका का लक्षण प्रायः 40 साल की उम्र के बाद दिखाई देता है, लेकिन आजकल बदलती जीवन-शैली ने कम उम्र में भी लोगों को इस समस्या का सामना करना पड़ता है।

क्यों होता है सायटिका?

किसी भी मरीज को सायटिका का दर्द तब होता है, जब सायटिका तंत्र पर दबाव पड़ता है या इसकी क्षति होती है। सायटिका नर्व पीठ के पिछले हिस्से से शुरू होती है और प्रत्येक पैर के पीछे तक जाती है। यह नर्व घुटने के निचले और पैर के पिछले हिस्सों को नियंत्रित करती है। इन नसों में जहां-जहां सूजन होती है, वहां-वहां दर्द होता है। सायटिका का दर्द कभी भी नसों के दबने से नहीं होता, बल्कि नसों के बीच गद्दों में भरे जेल के निकलने से होता है। नसों के दबने से पैरों में कमजोरी होती है, लेकिन महसूस नहीं होती है।

उम्र भी एक कारण

सायटिका का दर्द उम्र के साथ बढ़ता है, क्योंकि यह अधिक उम्र के साथ होने वाली समस्या है। लेकिन कभी-कभी कम उम्र में इस तरह की परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। कई बार शरीर में यूरिक एसिड बढ़ने से भी इस तरह के दर्द का सामना करना पड़ता है।

दिखते हैं ये लक्षण

सायटिका में तेज दर्द के अलावा शुरुआती दिनों में झनझनाहट और जलन होती है। साथ ही दर्द अक्सर एक तरफ होता है, जो पिंडलियों और पैर के तलवे में होता है। सायटिका से पीड़ित व्यक्ति के पैर में कमजोरी महसूस होती है। खड़े होने और बैठने में दर्द महसूस होता है। दिन के एक निश्चित समय के दौरान खांसने-छींकने पर भी दर्द हो सकता है।

करें ये उपाय

यह दर्द आपके लिए ज्यादा परेशानी खड़ी न करे, इसके लिए आप हमेशा गद्देदार बिस्तर का इस्तेमाल न करें। साथ ही रोजाना एक्सरसाइज करें। सायटिका से बचने के लिए रीढ़ की हड्डी का लचीला होना जरूरी है, इसलिए रीढ़ की एक्सरसाइज जरूर करें।

छत्तीसगढ़ स्तरीय लॉन टेनिस में सिंगल एवं डबल्स के विजेता का खिताब आरिज़ को

छत्तीसगढ़ लॉन टेनिस एसोसिएशन का आयोजन

रायपुर। तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ स्तरीय लॉन टेनिस प्रतियोगिता रायपुर के एपिसेम एकैडमी में खेली गई। छत्तीसगढ़ राज्य लॉन टेनिस एसोसिएशन के तत्वाधान में हुई इस प्रतियोगिता में जूनियर केटेगरी के अंडर-18, अंडर-14 एवं अंडर-12 के गर्ल्स एवं बॉयज के मैच खेले जा गए। प्रतियोगिता के समापन पर सिंगल्स एवं डबल्स के फाइनल मैच खेले गए।

प्रतियोगिता के अंतर्गत अंडर-12 बॉयज़ में एकलव्य सिंह राजपूत ने हर्षिल नथानी 6-1,6-3 से हराकर विजेता बने। अंडर 12 गर्ल्स में भिलाई की वानया पुंढीर ने आकांक्षा माथुर को 6-4,6-1 से हराकर फाइनल मैं जीत हासिल की। अंडर 14 बॉयज़ में रायपुर के विहार शरण भाटिया ने तनव्य गोयल को फाइनल एकल राउंड में 6-3,6-3 से हरा कर जीत हासिल की। अंडर 14 गर्ल्स में आकांक्षा माथुर ने अपना हुनर दिखाते हुए फाइनल मैच में आयना कपूर को 6-3,7-6 (5) से हराकर फाइनल एकल में जीत हासिल की। अंडर 18 बॉयज़ में मोहम्मद आरिज़ ख़ान ने भिलाई के अभिनव सिंह को 6-2,6-3 से हराया

और छत्तीसगढ़ के सर्वश्रेष्ठ प्लेयर बने। अंडर 18 गर्ल्स के पहले सेमीफाइनल मुक़ाबले में एंजेल मित्तल ने आयी आयना कपूर को सीधे सेटों में मात दे कर इस श्रेणी को अपने नाम किया। अंडर 14 डबल्स बॉयज़ में रोमांचक फाइनल मैच रहा जिसमें तन्वय गोयल एवं एकलव्य राजपूत की जोड़ी ने विहार शरण भाटिया एवं लक्ष्य अग्रवाल की जोड़ी को 4-6,6-4,10-8 से मात देकर इस श्रेणी में जीत हासिल की। अंडर 18 बॉयज डबल्स में आरिज़ ख़ान एवं मानस मिश्रा विजयी रहे ,जिसमें उन्होने वंश अग्रवाल एवं आशुतोष वर्मा की जोड़ी को 6-3,6-1 के स्कोर से हराया।

पॉवर कंपनीज़ बैडमिंटन का फाइनल जीता रायपुर रीजन ने

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज की अंतरक्षेत्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में रायपुर रीजन विजेता रहा। टीम इवेंट में कोरबा वेस्ट की क्षेत्र उपविजेता रही। पुरस्कार वितरण समारोह 9 दिसंबर को कंचना स्थित निजी कोर्ट में होगा, जिसमें प्रबंध निदेशक गण विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। पॉवर कंपनीज की क्रीड़ा एवं कला परिषद के तत्वाधान से आयोजित अंतर क्षेत्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में प्रदेशभर की 10 टीम हिस्सा ले रही हैं। क्षेत्रीय क्रीड़ा सचिव विनय चंद्राकर ने बताया कि टीम इवेंट की प्रतियोगिता में रायपुर रीजन एवं कोरबा वेस्ट के बीच फाइनल मुकाबला हुआ। रायपुर की टीम ने 12 वर्षों की चैंपियन कोरबा वेस्ट की टीम 03-02 से पराजित किया। विजेता टीम के खिलाड़ी योहन नायक, राजेश ठाकुर, दिलेश्वर ठाकुर, के गिरीश व नवीन इक्का ने बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। कोरबा वेस्ट के खिलाड़ी अविनेश पाठक, सीमांत मिंज, एम जोशी, नरेंद्र उइके एवं गौरव गुप्ता ने कांटे की टक्कर दी।

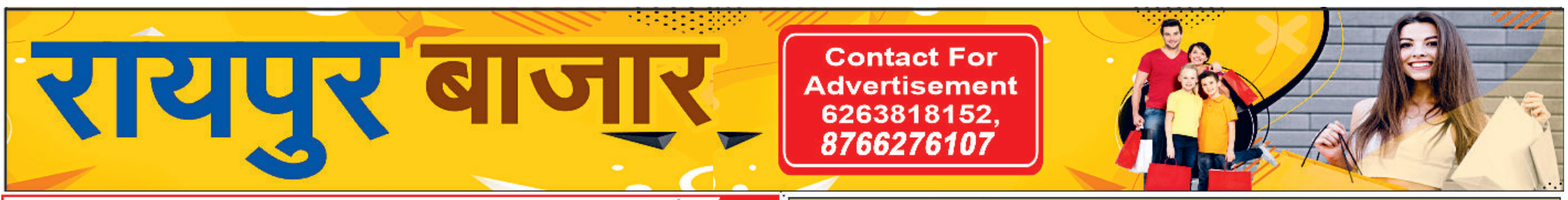

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

ट्रम्प की बायोपिक द अप्रेंटिस पर बात करने से डर रहे हॉलीवुड के कलाकार

हॉलीवुड अभिनेता सेबेस्टियन स्टेन ने इस वर्ष दो समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्मों में अभिनय किया है, 'ए डिफरेंट मैन' और 'द अप्रेंटिस', जिनमें से दूसरी फिल्म में सेबेस्टियन ने राष्ट्रपति-चुनाव डोनाल्ड ट्रम्प की भूमिका निभाई। अब इसे लेकर उन्होंने कई खुलासे किए हैं। सेबेस्टियन स्टेन का कहना है कि उनके साथी कलाकार उनकी विवादास्पद डोनाल्ड ट्रम्प फिल्म से कोई लेना-देना नहीं चाहते हैं और कम से कम सार्वजनिक रूप से तो बात बिलकुल नहीं करना चाहते हैं।

अभिनेता ने खुलासा किया है कि उन्हें वैरायटी पत्रिका की 'एक्टर्स ऑन एक्टर्स' सीरीज में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था, जिसमें दो कलाकारों को एक-दूसरे का साक्षात्कार लेने के लिए एक साथ जोड़ा जाता है, लेकिन सेबेस्टियन का कहना है कि यह उपस्थिति इसलिए नहीं हुई, क्योंकि कोई अन्य अभिनेता बायोपिक 'द अप्रेंटिस' में राष्ट्रपति-चुनाव ट्रम्प के रूप में उनकी भूमिका पर चर्चा नहीं करना चाहता था। सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो के अनुसार, फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान सेबेस्टियन ने कहा, 'मुझे इस शुक्रवार को वैरायटी एक्टर्स ऑन एक्टर्स में काम करने का प्रस्ताव मिला था और मुझे ऐसा करने के लिए कोई अन्य अभिनेता नहीं मिला, क्योंकि वे इस फिल्म के बारे में बात करने से बहुत डरते थे, इसलिए मैं यह काम नहीं कर सका।'

टॉलीवुड

तेजा की डेब्यू फिल्म संकट में प्रशांत की ये फिल्म भी होगी बंद!

सोशल मीडिया पर ही 6 सितंबर को प्रशांत वर्मा ने मशहूर तेलुगु अभिनेता नंदमूरि बालकृष्ण के बेटे मोक्षाज्ञ तेजा को अपनी एक फिल्म में लॉन्च करने का एलान किया था, लेकिन इस पर अब संकट छाए हुए हैं। इस साल की पहली मेगा हिट फिल्म 'हनुमान' के निर्देशक प्रशांत वर्मा की एक और फिल्म बंद होने की कगार पर दिखाई दे रही है। प्रशांत इन दिनों अपनी अगली फिल्म 'जय हनुमान' के अलावा और भी कई फिल्मों में व्यस्त बताए जा रहे हैं और ऐसे में फिल्म 'ब्रह्मराक्षस' के बाद उनकी एक और फिल्म के बंद होने की आशंका ने तेलुगु सिनेमा में नई हलचल पैदा कर दी है। निर्देशक प्रशांत वर्मा ने पौराणिक किरदारों को आधुनिक कहानियों के साथ मिलाकर अपने सिनेमा की एक अलग दुनिया प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स (पीवीसीयू) रची है। इस दुनिया की पहली फिल्म 'हनुमान' रिलीज हो चुकी है। इस कड़ी की दूसरी फिल्म इंद्र की पौराणिक कथाओं से प्रेरणा लेकर 'अधीरा' के नाम से बनी है। पीवीसीयू की तीसरी फिल्म 'महाकाली' है जिसके लिए एक सांवली किशोरी को मौका देने का एलान प्रशांत ने बीते दिनों ही सोशल मीडिया पर किया। सोशल मीडिया पर ही 6 सितंबर को प्रशांत वर्मा ने मशहूर तेलुगु अभिनेता नंदमूरि बालकृष्ण के बेटे मोक्षाज्ञ तेजा को अपनी एक फिल्म में लॉन्च करने का एलान किया था। ये घोषणा करते हुए प्रशांत ने नंदमूरि बालकृष्ण का इस भरोसे के लिए धन्यवाद भी किया। पीवीसीयू के तहत बनने वाली मोक्षाज्ञ की फिल्म की शूटिंग गुरुवार 5 दिसंबर से शुरू होने का मुहूर्त निकला था, लेकिन जानकारी मिल रही है कि इस फिल्म की शूटिंग शुरू नहीं हो सकी। प्रशांत वर्मा के नजदीकी सूत्र बताते हैं कि उन्होंने इतना ज्यादा काम अपने पास ले लिया है कि वह किसी एक फिल्म पर पूरा ध्यान दे पाने की सूरत में नहीं हैं। फिल्म 'हनुमान' की सफलता के बाद तमाम तेलुगु निर्माताओं ने उनके लिए अपनी तिजोरियां खोल दी हैं। इनमें फिल्म 'पुष्पा 2' की निर्माता कंपनी मैत्री मूवी मेकर्स भी शामिल है, जितने फिल्म 'ब्रह्मराक्षस' में प्रशांत हिंदी सिनेमा के संघर्षशील अभिनेता रणवीर सिंह को निर्देशित करने वाले थे। मोक्षाज्ञा की फिल्म का जो मुहूर्त गुरुवार को निकला था, उस दिन ये फिल्म शुरू क्यों नहीं हो पाई, इस बारे में न तो प्रशांत वर्मा की तरफ से और न ही मोक्षाज्ञ के पिता नंदमूरि बालकृष्ण की तरफ से ही कोई बयान आया है। उम्मीद की जा रही है कि फिल्म के निर्माता सुधाकर चेरुकुरी इस बारे में कोई बयान जल्द ही जारी करेंगे। और तब जाकर ही वस्तुस्थिति स्पष्ट हो सकेगी। प्रशांत वर्मा से भी इस बारे में संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन समाचार लिखे जाने तक उनकी तरफ से कोई जवाब नहीं आया है।

ओटीटी

युवा निर्देशक अपूर्व की लघु फिल्मों में सामाजिक संदेश के साथ पारिवारिक कथानक

राजधानी रायपुर निवासी युवा फिल्मकार अपूर्व डेगन की दो लघु फिल्में 4 और 5 दिसंबर को ओटीटी प्लेटफार्म "हंगामा" पर रिलीज हुई। दर्शकों से मिल रही प्रतिक्रियाओं से अपूर्व अपनी इन दोनों फिल्मों इंस्टेंट लोन और फैमिली बॉय को लेकर बेहद उत्साहित हैं। अपूर्व का कहना है ओटीटी प्लेटफार्म पर भी दर्शक उनकी फिल्म को पसंद कर रहे हैं, यह उनके लिए सबसे बड़ा प्रतिसाद है। शैलेंद्र नगर निवासी राजेश डेगन और संगीता डेगन के सुपुत्र अपूर्व का कहना है कि उनके लिए कला सिर्फ काम नहीं, बल्कि एक जुनून है। अपनी फिल्मों के बारे में उन्होंने बताया कि इंस्टेंट लोन एक बेरोजगार युवक के मानसिक अन्तर्द्वन्द की कहानी है। उसके ऊपर कमाई को लेकर परिवार का दबाव है और नौकरी उसे मिल नही पा रही है। ऐसे में वह किस तरह परिस्थितियों से जूझता है, इसे फिल्म में दिखाया गया है। इसी तरह फैमिली बॉय एक ऐसे बच्चे किं कहानी है जिसे परिवार का हद से भी ज़्यादा संरक्षण प्राप्त है इस कारण वह आलसी हो गया है फिर कुछ ऐसा होता है कि बच्चे के जीवन मे अचानक बदलाव आ जाता है। दोनों ही फिल्में पूरी तरह पारिवारिक एवं समाज को बेहतरीन सन्देश पर आधारित है। अपूर्व ने बताया कि जल्द ही उनकी कुछ और लघु फिल्में ओटीटी प्लेटफार्म पर आ रही है और उम्मीद है उन फिल्मों को भी दर्शकों का भरपूर प्यार मिलेगा।

तारों की बारात

लाइफ स्टाइल

मिलान फैशन वीक में गुच्ची के फॉल/विंटर 2024 फैशन शो के निमंत्रण के साथ आए नोटबुक पर 'अपने दिल की सुनो' संदेश लिखा हुआ था। बेशक, दिल की बात सुनते हुए डिजाइनर रोसो एनकोरा ने सितारों की बारात सजा दी। क्रिएटिव डायरेक्टर सबातो डी सरनो ने मॉडल को कुछ इस अंदाज में स्टेज पर उतारा कि दर्शक भी वाह-वाह करते रह गए।

साफ करने के बाद भी विंटर जैकेट से बदबू आ रही है तो इन आसान टिप्स को फॉलो करें

अगर साफ करने के बाद भी विंटर जैकेट से बदबू आ रही है तो इन घरेलू चीजों के इस्तेमाल से बदबू को चुटकी में गायब कर सकते हैं। लैवेंडर ऑयल एक ऐसी चीज है, जिसके इस्तेमाल से जैकेट से लेकर स्वेटर और अन्य गर्म कपड़े को सुगंधित बना सकते हैं।

अगर आपको लैवेंडर ऑयल पसंद नहीं हैं, तो आप किसी अन्य एसेंशियल ऑयल का इस्तेमाल कर सकते हैं। सबसे पहले पानी में डिटर्जेंट पाउडर को डालकर अच्छे से घोल लें। अब इसमें 1/2 चम्मच लैवेंडर ऑयल को डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद जैकेट को घोल में डालकर 20-25 मिनट के लिए छोड़ दें। 25 मिनट बाद जैकेट को रगड़कर साफ कर लें और धूप में रख दें। खाना बनाने या घर की सफाई के लिए आपने एक बार नहीं, बल्कि कई बार बेकिंग सोडा का इस्तेमाल किया होगा।

ऐसे में आपको बता दें कि बेकिंग सोडा के इस्तेमाल से जैकेट से आने वाली बदबू को भी आसानी से दूर कर सकते हैं। व्हाइट विनेगर का इस्तेमाल कई लोग क्लीनिंग में करते हैं। ऐसे में इसके इस्तेमाल से विंटर जैकेट से आने वाली बदबू को भी आसानी से दूर किया जा सकता है। इसके लिए आपको अधिक मेहनत भी करने की ज़रूरत नहीं है। इसके लिए 2-3 लीटर ठंडे पानी में 1-2 चम्मच व्हाइट विनेगरको डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। अब मिश्रण में साफ जैकेट को डालकर लगभग 20-25 मिनट के लिए छोड़ दें। 25 मिनट बाद जैकेट को निचोड़कर धूप में रख दें।

एथलेजर वियर है स्टाइल का नया नाम, कैरी करना बेहत आसान

एथलेजर वियर स्टाइल का वो नया नाम है, जो लुक को नए तरह से डिफाइन कर रहा है। इस स्टाइल में वो कपड़े शामिल होते हैं जो दो लुक का कॉम्बो होते हैं। एथलेजर वियर जिम में पहने जाने वाले वो कपड़े होते हैं, जो साथ में कैजुएल वाला लुक भी देते हैं। मतलब इन कपड़ों को आप जिम के साथ कैजुएल मौकों पर भी पहन सकते हैं। इन कपड़ों को बॉलीवुड स्टार्स ने तो दिल से स्वीकार कर लिया है लेकिन बाकी लोग अभी भी इसे पूरी तरह से अपना नहीं पाए हैं।

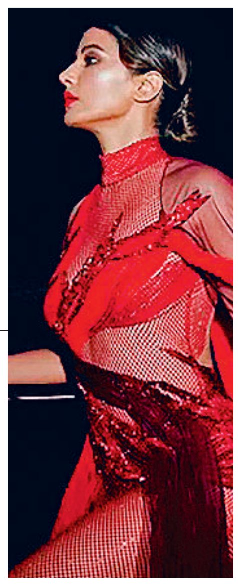

स्टाइल भी आराम भी

ऐसा नहीं कि जिम वियर आरामदायक नहीं होते हैं। वो आरामदायक होते हैं लेकिन उन्हें आप कैजुअल वियर के तौर पर नहीं पहन सकते।

एथलेजर वियर के साथ फायदा यह है कि इसे पहनकर आप कैजुअल मौकों पर भी स्टाइल में रह सकते हैं। इन कपड़ों में स्टाइल मिलेगा वो अलग। ये कपड़े आपको दो मौकों के लिए तैयार कर देते हैं, वो भी आराम और स्टाइल के साथ।

लेयरिंग का मिले साथ

स्टाइलिंग पर ध्यान देने वाले लोगों के लेयरिंग बहुत काम आती है। इस लुक पर कॉटन या लेनिन की जैकेट अच्छी लगेगी। जैकेट के साथ प्रिंटेड शर्ट पहनिए। गर्मी में लेयरिंग आजमाने के लिए आपको फैब्रिक का सिलेक्शन बहुत सोच-समझकर करना होगा।

तीन जरूरी प्वाइंट

एथलेजर वियर पहनने से पहले उससे जुड़े तीन प्वाइंट्स पर ध्यान देना चाहिए। क्योंकि यही तीन इसकी खासियतें भी होती हैं। ये तीन प्वाइंट निम्नलिखित हैं- मटेरियल फिट फंक्शनैलिटी

कपड़ा आराम वाला

एथलेजर वियर की खासियत इसका कपड़ा होता है, जो आरामदायक होने के साथ स्किन के लिए भी अच्छा होता है। इनमें अक्सर पॉलिएस्टर, नायलॉन, रेयॉन और स्पैंडेक्स जैसे फैब्रिक इस्तेमाल होते हैं। इस फैब्रिक की खासियत इनका रिंकल फ्री, मॉइश्चर को सोखने वाला और फ्लेक्सिबल होना होता है।

क्रिसमस पार्टी के लिए कैरी करें नया लुक

क्रिसमस के दिन लोग अपने-अपने घरों में पार्टी का आयोजन भी करते हैं। इसको लेकर लड़कियां पहले से ही शॉपिंग शुरू कर देती हैं, लेकिन क्रिसमस का त्योहार महीने के अंत में आता है। ऐसे में ये जरूरी तो नहीं, कि हर कोई नए कपड़े खरीद ही पाए। बहुत से लोग तो समय के अभाव में भी शॉपिंग करने नहीं जा पाते हैं। ऐसे में हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताने जा रहे हैं, जिसकी मदद से आप अपने पुराने कपड़ों को ही नए तरीके से कैरी कर सकती हैं। इन टिप्स को अपनाने के बाद आपको नए कपड़े खरीदने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। तो चलिए देर ना करते हुए आपको भी ये टिप्स बताते हैं।

ड्रेस को ऐसे करें कैरी : क्रिसमस के समय काफी सर्दी पड़ती है, ऐसे में आप अपनी किसी ऐसी शॉर्ट ड्रेस को ब्लेजर के साथ कैरी कर सकती हैं, जो गर्मियों के हिसाब से है। इससे आपको नई ड्रेस खरीदने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी, और आपका लुक स्टाइलिश भी दिखेगा।

ओवर साइज स्वेटर: अगर आपके पास ऐसा ओवर साइट स्वेटर नहीं है तो आप अपने भाई का स्वेटर कैरी कर सकती हैं। ओवर साइज स्वेटर को आप ड्रेस की तरह कैरी कर सकती हैं। इसके साथ अगर आप बूट्स पहनेंगी तो ये आआपको एकदम परफेक्ट लुक देगा।

ब्लेजर: आजकल ब्लेजर काफी ट्रेंड में हैं। ऐसे में आप डेनिम शॉर्ट्स या टाइट्स के साथ ब्लेजर कैरी कर सकती हैं। इसके साथ आप स्पोर्ट्स शूज भी पहनकर अपना जलवा दिखा सकती हैं।

क्रॉप टॉप और जींस : अगर आप पार्टी में ग्लैमरस लुक कैरी करना चाहती हैं तो क्रॉप टॉप और जींस के साथ डेनिम जैकेट कैरी करें। डेनिम जैकेट लगभग हर लड़की के पास होती है। इसे पहनते वक्त पूरी तरह से बंद ना करें। इससे आपकी क्रॉप टॉप भी अच्छे से दिखाई देगी।

हैवी नेकलेस को पहनते हुए नहीं होगा दर्द, बस इन टिप्स को कीजिए फॉलो

हैवी नेकलेस पहनते समय अक्सर गर्दन में दर्द होना शुरू हो जाता है। हालांकि, अगर आप इस तरह के दर्द से बचना चाहती हैं तो ऐसे में आपको कुछ छोटे-छोटे टिप्स को फॉलो करना चाहिए। अधिकतर लड़कियां दर्द से बचने के लिए अपने लुक के साथ समझौता करती हैं और हल्का नेकपीस पहनती हैं। जबकि आपको ऐसा करने की जरूरत नहीं है। कुछ आसान स्टाइलिंग हैक्स की मदद से आप अपने लुक को स्टनिंग बना सकती हैं। साथ ही साथ, आपको ऐसा बिल्कुल भी महसूस नहीं होता है कि आप अपनी गर्दन पर डंबल लटकाए घूम रही हैं। बस आप बेफिक्र होकर स्टेटमेंट पीस पहनें और अपने लुक में रॉक करें।

पैडिंग को करें शामिल

जब आप हैवी नेकलेस पहन रही हैं तो इसके साथ पैडिंग को एड करना काफी अच्छा माना जाता है। बस आप नेकलेस के नीचे एक पतली फोम स्ट्रिप या मुलायम कपड़ा चिपका दें, खासकर अगर इसमें खुरदरे या हैवी पीसेस हों। इससे दबाव को कम करने और स्किन इरिटेशन को रोकने में मदद मिलती है।

फ़िट को करें एडजस्ट

एक्सटेंडर की मदद से भी वजन को आसानी से बांटा जा सकता है। अगर नेकलेस बहुत टाइट लगता है, तो इसे अपनी छाती पर नीचे रखने के लिए एक्सटेंडर चेन का उपयोग करें, जिससे वज़न फिर से वितरित हो जाए। साथ ही साथ, नेकलेस को अपने आउटफिट में सुरक्षित करने के लिए छोटे सेफ्टी पिन या फ़ैशन टेप का उपयोग करें। इससे आपकी गर्दन का कुछ वजन कम हो जाता है, जिससे आपको अधिक कंफर्टेबल फील होता है। साथ ही साथ, यह इधर-उधर खिसकने से भी बच जाती है।

कार्नर न्यूज

स्टाइलिश शर्ट के साथ कॉलर का चुनाव करें सावधानी से

अपनी पसंद की शर्ट कॉलर चुनना मुश्किल नहीं, आसान से टिप्स करेंगे आपकी मदद

शर्ट तो पहनते हैं वो भी महंगी और बेहद स्टाइलिश लेकिन कभी शर्ट के कॉलर के बारे में सोचा है? ये कैसा होना चाहिए, आप पर कैसा लगेगा जैसे सवाल खुद से पूछे हैं, नहीं न। शर्ट देखी, अच्छी लगी और खरीद ली। है न। लेकिन अब जब आप शर्ट खरीदिएगा तो उसके कॉलर पर भी ध्यान दीजिएगा। क्योंकि शर्ट ही नहीं कॉलर भी आपके ऊपर सूट करनी चाहिए। बाजार में एक नहीं कई तरह की कॉलर वाली शर्ट मिल जाती हैं। इनमें से आपके लिए कौन सी बेस्ट है, जान लीजिए और तब ही इसे खरीदिए।

आपके लिए सही शर्ट कॉलर कौन सी है?

शर्ट की कॉलर चुनना बहुत कठिन काम नहीं है लेकिन इसे देख समझकर ही शर्ट खरीदी जानी चाहिए। ताकि आपकी महंगी शर्ट और लुक दोनों को फुल मार्क्स मिल सकें. कैसे खरीदेंगे ये शर्ट जानिए-

कॉलर की फिटिंग भी जानिए

शर्ट की फिटिंग पर तो आप खूब ध्यान देते होंगे लेकिन क्या कभी इसकी कॉलर की फिटिंग पर ध्यान दिया है? नहीं दिया होगा। लेकिन बेहतरीन लुक के लिए आपको कॉलर की फिटिंग भी देखनी चाहिए। लेकिन इसे देखें और समझेंगे कैसे?

.सॉफ्ट कॉलर, कैजुअल कॉलर

कॉलर सॉफ्ट भी होती हैं और स्टिफ भी। इनके बीच लुक को लेकर अंतर होता है। कॉलर जितनी सॉफ्ट होगी उसका लुक उतना ही कैजुअल आएगा जबकि स्टिफ कॉलर फॉर्मल लुक देता है। आप इस नियम के साथ शर्ट का चुनाव आसानी से कर सकते हैं। इस तरह से आपका चुनाव परफेक्ट होगा।

चेहरे के हिसाब से चुनें कॉलर

इस तरह से शर्ट खरीदने को लेकर आपने शायद ही कभी सोचा हो। शायद ही आपको शर्ट नहीं कॉलर के स्टाइल और फिटिंग पर ध्यान दिया हो. लेकिन शर्ट सही और बेस्ट लुकिंग हो इसके लिए आपको कॉलर के बारे में सोचना ही होगा। हालांकि ये बात भी सही है कि आप जैसे स्टाइल में खुद को अच्छा महसूस करें, बस उसे ही चुन लें। लेकिन खुद को स्मार्ट फील देने के लिए आपको चेहरे के हिसाब से शर्ट कॉलर चुनने की सलाह दी जाती है। चुनाव ऐसे करें कि गोल चेहरा है तो पॉइंट कॉलर चुनें ये इस आकार को बैलेंस कर देगी। वहीं चेहरा स्क्वायर है तो टैब और पॉइंट कॉलर अच्छे लगेंगे।

कॉलर कैसे-कैसे

पॉइंट कॉलर_ ये कॉलर सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है जो 1 इंच से 3 इंच तक फैला होता है। ये कॉलर 50 से 70 डिग्री के एंगल पर बना होता है। जबकि इसकी हाइट 1 से 2 इंच होती है। वैसे तो ये राउंड शेप चेहरे के साथ अच्छी लगती है। लेकिन इसे कोई भी पहनें तो मैच कर जाती है।